दैनिक
# लोकप्रदेश
RNI NO. MPHIN/2016/69135
वर्ष-10 | अंक-158 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शुक्रवार 3 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संभावित अल्प वर्षा की स्थिति से निपटने पूर्व तैयारियों की समीक्षा कर दिये निर्देश

# संभावित अल्प वर्षा से निपटने के लिए सभी विभाग करें समन्वित तैयारी:मुख्यमंत्री

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संभावित अल्प वर्षा की स्थिति को चुनौती नहीं, बल्कि बेहतर योजना, वैज्ञानिक खेती और समयबद्ध तैयारी के अवसर के रूप में लिया जाए। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसानों को समय पर आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराएं, जिससे प्रदेश में कृषि उत्पादन और किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को मंत्रालय में इस वर्ष प्रदेश में संभावित अल्प वर्षा की स्थिति के मद्देनज़र किसान कल्याण एवं कृषि विकास, जल संसाधन, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित अन्य संबंधित विभागों की अब तक की पूर्व तैयारियों की गहन समीक्षा की।

### प्रत्येक जिले में कलेक्टर की अध्यक्षता में जल संकट आकस्मिक योजना बनाई जाएगी

आरबीसी 6 (4) अंतर्गत क्षति सर्वे के लिये राजस्व, कृषि एवं पंचायत अमले का संयुक्त प्रशिक्षण अभी से पूर्ण; डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं सैटेलाइट इमेजरी आधारित क्षति आंकलन प्रणाली का सत्यापन कराया जायेगा, जिससे सर्वे 15 दिवस में पूरा हो सके। राज्य स्तरीय मॉडल आकस्मिक कार्य योजना तैयार कराकर विभागीय पोर्टल पर अपलोड कराई गई हैं। विभिन्न योजनाओं में फसल प्रदर्शनों, उन्नत फसल किस्मों के बीज वितरण के लक्ष्य जिलों को जारी किये गए हैं।

### अगले दो वर्षों की तैयारी

प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में वैकल्पिक स्रोतों का चिन्हांकन एवं टैंकर व्यवस्था की आकस्मिक योजना तैयार कर अमृत 2.0 के अंतर्गत जल प्रदाय योजनाओं का समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित की जायेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन की ग्रामवार समीक्षा, बंद/अपूर्ण नल-जल योजनाओं की मरम्मत का 90 दिवसीय अभियान चलाया जाएगा।

# पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी अभी नहीं

### तेल कंपनियों को नुकसान का हवाला देकर बोले पुरी

**भोपाल।** उपभोक्ताओं को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि मौजूदा हालात में खुदरा ईंधन कीमतों को कम करने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने बताया कि वैश्विक कच्चे तेल बाजारों में बड़े उतार-चढ़ाव के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतें काफी हद तक स्थिर रही हैं। पिछले चार वर्षों में पेट्रोल की कीमतों में केवल 5.58 फीसदी और डीजल की कीमतों में 6.23 फीसदी की वृद्धि हुई है। मंत्री ने कहा कि सरकारी तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) अब भी लगभग 2.18 लाख करोड़ रुपये का वित्तीय घाटा वसूल कर रही हैं। इन कंपनियों के पास अब भी उच्च अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों पर खरीदा गया ईंधन भंडार मौजूद है। इससे खुदरा कीमतों में तत्काल कमी करना अव्यावहारिक हो जाता है। पुरी ने कहा, इसलिए, इस समय ईंधन कीमतों को कम करने का सवाल उचित नहीं है। अगर दो-तीन महीनों तक कच्चे तेल की कीमतें नरम रहती हैं तो हम इस बारे में सोचेंगे। उन्होंने सरकार की ओर से वैश्विक ऊर्जा बाजार में व्यवधानों के प्रबंधन के बारे में भी बताया।

### दतिया विधानसभा उपचुनाव-

# 30 जुलाई को वोटिंग 3 अगस्त को नतीजे

### 6 जुलाई को अधिसूचना जारी होगी;भारती की सदस्यता खत्म होने से खाली थी सीट

**भोपाल।** चुनाव आयोग ने दतिया विधानसभा उपचुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। उपचुनाव की अधिसूचना 6 जुलाई को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई, नामांकन पत्रों की जांच 14 जुलाई और नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 16 जुलाई निर्धारित की गई है। इसके बाद 30 जुलाई को मतदान होगा और 3 अगस्त को मतगणना की जाएगी।

### भारत-जापान में रक्षा सह-उत्पादन समझौते पर मुहर-पीएम मोदी बोले-

# कई कंपनियों से नाता 100 साल से अधिक पुराना

**नई दिल्ली।** भारत और जापान ने आर्थिक साझेदारी को नई रफ्तार देने का फैसला किया है। भारत-जापान जॉइंट इकोनोमिक फोरम में प्रधानमंत्री मोदी ने जापानी कंपनियों की दिक्कतें दूर करने के लिए जापान बिजनेस वीक शुरू करने का ऐलान किया। इसके तहत पीएमओ के सीनियर अधिकारी सीधे जापानी निवेशकों से बातचीत करेंगे। मोदी ने कहा कि आज दुनिया में बिकने वाली सुजुकी की दो-तिहाई कारें भारत में बन रही हैं और इन्हें 100 से ज्यादा देशों में निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जापान के सहयोग से देश में करीब 1000 खाद (फर्टिलाइजर) कारखाने लगाए जाएंगे। दोनों देशों ने अगले 10 साल में भारत में 10 ट्रिलियन येन के जापानी निवेश का लक्ष्य भी रखा है।

### भारत में जापान का निवेश 10 ट्रिलियन येन से पार हो

भारत-जापान जॉइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगले 10 साल में भारत में जापान का निवेश 10 ट्रिलियन येन (करीब 5.9 लाख करोड़ रुपए) से अधिक होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात दोनों देशों के उद्योगपतियों, निवेशकों और कारोबारी प्रतिनिधियों से कही। वे जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची की मौजूदगी में मंच को संबोधित कर रहे थे।

### ताकाइची बोलीं- मोदी मेरे बड़े भाई जैसे

ताकाइची ने संयुक्त प्रेस बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें अपनी 'सुंदर छोटी बहन' कहा। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने आपसी रिश्ते को भाई-बहन की तरह आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने कहा कि जापान की फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक नीति और भारत की महासागर पहल एक-दूसरे की पूरक हैं।

# 2 आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने की तैयारी

### चंपत राय पर एफआईआर के लिए प्रदर्शन ट्रस्टी अनिल मिश्रा से पूछताछ होगी

**अयोध्या।** अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच करने के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम गुरुवार दोपहर 3 बजे मंदिर पहुंची है।

एसआईटी ने 11 दिन पहले 15 से 20 जून तक जांच की थी। उधर, अयोध्या पुलिस सुबह करीब 11 बजे राम मंदिर पहुंची। करीब दो घंटे तक जांच की। जिस कमरे में चढ़ावे की गिनती होती है, उसे देखा। पुलिस ने जेल में बंद आरोपी अविनाश शुक्ला को 24 घंटे के लिए रिमांड पर लिया है। अविनाश के घर से राम मंदिर का संदूक, 20 लाख कैश, एक हजार से अधिक डॉलर और गहने मिले थे। वह चढ़ावे की गिनती करता था। इस बीच, सुबह 11.45 बजे अयोध्या में 500 से ज्यादा वकील सड़क पर उतर आए।

चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव पर एफआईआर की मांग कर नारेबाजी की। सिविल लाइन चौकी जाकर उन तीनों समेत 4 लोगों के खिलाफ शिकायत दी।

### चढ़ावा चोरी में चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव की भूमिका की जांच कर रही एसआईटी

अयोध्या में एसआईटी आरोपियों से पूछताछ कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी अब मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा और आमंत्रित सदस्य गोपाल राव की भूमिका की जांच कर रही है। इससे पहले, एसआईटी ने 6 दिन जांच की थी। तब 8 आरोपियों के खिलाफ सबूत मिले थे। इसके बाद उनकी गिरफ्तारी हो गई और जांच पुलिस ने शुरू कर दी। माना जा रहा है कि 6 जुलाई को अयोध्या में मंदिर ट्रस्ट की बैठक होनी है।

### ट्रस्टी दिनेंद्र दास बोले-पूरी गलती गोपाल राव की

चढ़ावा चोरी मामले में अब ट्रस्ट के सदस्यों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। पहली बार राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास महाराज ने पूर्व पदाधिकारी गोपाल राव पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा- पूरी गलती गोपाल राव की है। वे राजनीति कर रहे हैं। वो सबको उलझा देते हैं। वो राम की परंपरा नहीं मानते। गोपाल राव राम मंदिर के निर्माण प्रभारी और ट्रस्ट के आमंत्रित सदस्य थे।

# नदियों में बाढ़, सड़कें बंद और गांवों से कटा कनेक्शन कश्मीर में 6 स्थानों पर बादल फटने के बाद आफत

नई दिल्ली, एजेंसी

पांच-छह दिन की देरी से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड पहुंचे मानसून के बाद इन पहाड़ी राज्यों में झमाझम बारिश हो रही है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में दो जगह बादल फटने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। हिमाचल के लाहौल-स्पीति और चंबा में तीन जगह बादल फटने की घटनाएं सामने आईं। उत्तराखंड में केदारनाथ धाम के लिए हैली सेवा स्थगित करनी पड़ी है और देहरादून के जौलीग्रांट हवाईअड्डे से चार उड़ानों को दूसरी जगहों पर भेजना पड़ा है।

### दक्षिण-पश्चिम भारत में भी झमाझम बारिश

महाराष्ट्र और कर्नाटक में में भारी बारिश हो रही है। मुंबई में बीते दो दिनों से लगातार बारिश हो रही है। पालघर जिले में अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। कर्नाटक के मंगलूरू में भारी बारिश के दौरान हुए भूस्खलन के नीचे एक मकान के दब जाने से एक महिला और उसकी दो बच्चियों की मौत हो गई।

### दिल्ली-एनसीआर में बौछारों से गर्मी और उमस से मिली राहत

यूपी के बलिया में बिजली गिरने से दो लोगों की जान चली गई है। बारिश और बाढ़ ने पूर्वोत्तर के साथ ही मुंबई और दक्षिण के राज्यों में भी मुश्किलें बढ़ाई है। लेकिन, पंजाब, हरियाणा समेत दिल्ली-एनसीआर में पड़ी बौछारों ने भीषण गर्मी और उमस से बड़ी राहत दिलाई है और तापमान करीब 6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में मचैल माता व मिंधल माता तीर्थस्थलों की यात्रा स्थगित करनी पड़ी है। श्रीमाता वैष्णो देवी धाम के लिए हेलिकॉप्टर सेवा प्रभावित हुई है।

**उत्तराखंड में जनजीवन प्रभावित**

### हिमाचल-उत्तराखंड में कई सड़कें बंद

हिमाचल में बारिश और भूस्खलन से शिमला, मनाली और धर्मशाला में 50 से अधिक सड़कों को भारी नुकसान होने से यातायात बाधित हुआ है। उत्तराखंड के देहरादून-बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में बारिश हो रही है।

### विदेशी धन | साल 2026 में प्रवासी भारतीयों ने भेजे 16 बिलियन डॉलर, 2025 के मुकाबले 70 प्रतिशत की हुई बढ़ोतरी

# दुनिया का सबसे ज्यादा रेमिटेंस पाने वाला देश बना भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत दुनिया में सबसे ज्यादा रेमिटेंस (विदेशों से भेजी गई रकम) पाने वाला देश बना हुआ है। बड़ी बात यह है कि अमेरिका-ईरान संकट के बावजूद खाड़ी देशों (जीसीसी) में रहने वाले भारतीय प्रवासियों ने घर पैसे भेजने का सिलसिला मजबूती से जारी रखा है।

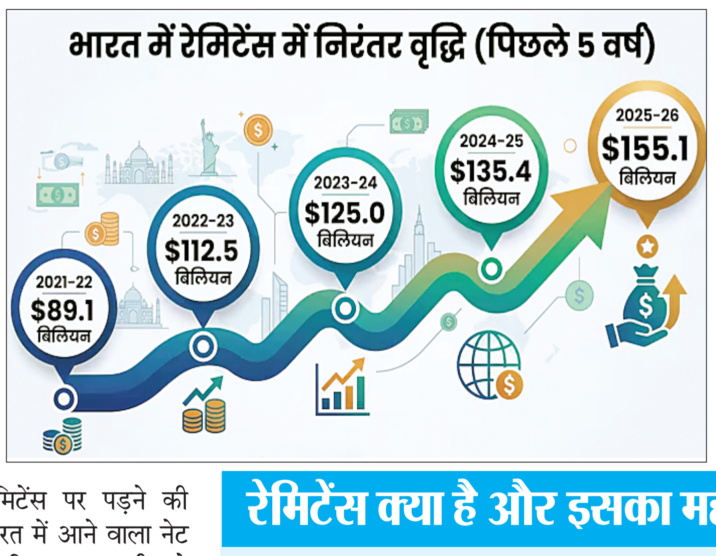


पश्चिम एशिया क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव के कारण रेमिटेंस पर पड़ने की चिंताओं को खारिज करते हुए भारत में आने वाला नेट ट्रांसफर अप्रैल 2025 में 9.4 बिलियन (यूएसडी) से अप्रैल 2026 में 70 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी के साथ 16 बिलियन तक पहुंच गया है। भारत सरकार के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में भारत आने वाले पैसे में निरंतर और ऐतिहासिक वृद्धि देखी गई है। भारतीय रिजर्व बैंक के रेमिटेंस सर्वे (2021) के अनुसार, भारत में आने वाले कुल धन में सर्वाधिक हिस्सेदारी संयुक्त राज्य अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात की है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट 2026 के अनुसार, वर्ष 2024 में भारत 137.67 बिलियन डॉलर के साथ दुनिया का सबसे बड़ा रेमिटेंस प्राप्तकर्ता देश रहा। वैश्विक पटल पर भारत की यह स्थिति इतनी मजबूत है कि उसे प्राप्त हुई रकम, सूची में उसके बाद आने वाले अगले तीन देशों क्रमशः मेक्सिको, फिलीपींस और फ्रांस को मिले कुल रेमिटेंस के लगभग बराबर (सिर्फ थोड़ा ही कम) थी। साल 2024 में भारत को मिली 137.67 बिलियन डॉलर धनराशि मेक्सिको (67.64 बिलियन) की तुलना में दोगुने से भी अधिक थी। (शेष पृष्ठ 8 पर)

### रेमिटेंस क्या है और इसका महत्व

सरल शब्दों में रेमिटेंस वह धन या सामान है, जो प्रवासी नागरिक विदेशों से सीधे अपने गृह देश में मौजूद अपने परिवारों या स्थानीय समुदायों को ट्रांसफर करते हैं। आरबीआई के अनुसार रेमिटेंस बाहरी फाइनेंसिंग के सबसे स्थिर और भरोसेमंद हिस्सों में से एक है। यह वित्तीय बाजार के उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितता जैसी प्रतिकूल घटनाओं से काफी हद तक अछूता रहता है। विदेश मंत्रालय द्वारा जनवरी 2026 में जारी आंकड़ों के अनुसार, खाड़ी के छह प्रमुख देशों में लगभग 1 करोड़ (99.6 लाख) भारतीय प्रवासी निवास कर रहे हैं। यही कारण है कि इस क्षेत्र से भारत को भारी मात्रा में आर्थिक सहयोग प्राप्त होता है।

### प्रमुख देशों की हिस्सेदारी

| देश | हिस्सेदारी |
|---|---|
| यूएसए | 23.4 % |
| यूएई | 18.0% |
| यूके | 6.8 % |
| सिंगापुर | 5.7 % |
| सऊदी अरब | 5.1 % |
| कुवैत | 2.4 % |
| ओमान | 1.6 % |
| कतर | 1.5 % |
| हांगकांग | 1.1 % |
| ऑस्ट्रेलिया | 0.7 % |
| अन्य | 31.6% |

### रात भर मिसाइल-ड्रोन की गर्जना

# रूस के हमले से दहली यूक्रेन की राजधानी, सहमे लोग

कीव, एजेंसी

रूस ने गुरुवार की सुबह यूक्रेन की राजधानी पर मिसाइलों और ड्रोन से बड़े पैमाने पर हमला किया। इसके कारण भीषण विस्फोट हुए और कीव कई घंटों तक हिलता रहा। कीव शहर के सैन्य प्रशासन प्रमुख तैमूर टकाचेंको ने बताया कि हमलों में आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिनमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि कम से कम 11 लोग घायल हुए हैं। रूस ने हाल के हफ्तों में कीव पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। वहीं, यूक्रेन द्वारा रूसी सैन्य स्थलों और ऊर्जा सुविधाओं के खिलाफ किए गए लंबी दूरी के ड्रोन हमलों के कारण रूस के अंदर ईंधन की कमी हो गई है। इसके साथ ही आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हो गई हैं। क्लिट्स्को ने निवासियों से आश्रय स्थलों में रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शेवचेनकिस्की जिले में पांच लोग घायल हुए हैं और घायलों में से एक, जो एक पैरामेडिक है, उसकी हालत बेहद गंभीर है।

### कितने जिलें प्रभावित हुए?

बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन से हुए हमले ने नीप्रो नदी के दोनों किनारों पर स्थित शहर के सभी 10 जिलों को प्रभावित किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की और अन्य अधिकारियों द्वारा हमले की पहली चेतावनी जारी किए जाने के बाद कई निवासियों ने मेट्रो स्टेशनों पर शरण ली।

## संक्षिप्त समाचार

### अखिल भारतीय सिंधु संत समाज ट्रस्ट ने जिला अस्पताल में किया फल वितरण

**सतना।** अखिल भारतीय सिंधु संत समाज ट्रस्ट (रजि.) ने मानवता की सेवा का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों के बीच मिष्ठान और फल वितरण का आयोजन किया। इस सेवा कार्य ने अस्पताल परिसर में एक सकारात्मक और उत्साहपूर्ण वातावरण का निर्माण किया। कार्यक्रम को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्य स्वामी खिम्यादास जी महाराज और प्रदेश उपाध्यक्ष महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। संतों ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में जाकर मरीजों का कुशलक्षेम जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। ट्रस्ट के पदाधिकारियों और सेवादारों ने मरीजों व उनके परिजनों का उत्साहवर्धन किया और सक्रिय रूप से सेवा कार्य में योगदान दिया। इस अभियान ने न केवल मरीजों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरी, बल्कि समाज को यह सशक्त संदेश भी दिया कि 'मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

### समाजसेवी वृन्दावन की पुण्य तिथि पर भोजन व फल वितरित

**सतना।** कांग्रेस सेवादल के प्रदेश सचिव व विन्ध्य फल एवं गांधी सब्जी बाजार के अध्यक्ष रामप्रताप कुशवाहा लाला के पूज्य पिता समाजसेवी रहे स्व. वृन्दावन कुशवाहा की 12वीं पुण्यतिथि पर परिजनों द्वारा शायं 5 बजे शिव मंदिर जगतदेव तालाब में गरीबों को भोजन व फल वितरण एवं 7.30 बजे निरंकारी भवन कृष्ण नगर में आध्यात्मिक सत्संग के पश्चात् प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर रामप्रताप कुशवाहा लाला, सेवादल के अध्यक्ष बरमेन्द्र प्रताप सिंह, समाज सेवी इंजी. नारायण कुशवाहा, निरंकारी सेवादार भाईलाल कैमा, माताजी उमा देवी, मीना कुशवाहा, रमा देवी, क्षमता कुशवाहा, ज्योति, ममता कुशवाहा, सिद्वांत ईशु बासु, प्राची व सेवादल एवं गांधी बाजार के फल सब्जी व्यवसायी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस व सीए दिवस पर नगर में आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

# सेवा की अलख जगाने वाले चिकित्सकों का किया सम्मान

### जायंट्स ग्रुप ऑफ स्मार्ट सिटी ने चिकित्सकों के प्रति व्यक्त किया सम्मान

नगर संवाददाता, सतना।

राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के अवसर पर जायंट्स ग्रुप ऑफ स्मार्ट सिटी द्वारा वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. दीपक सोई के निवास पर गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज को स्वस्थ और सुरक्षित रखने में निरंतर योगदान देने वाले चिकित्सकों का पुष्पगुच्छ, श्रीफल एवं सम्मान पत्र भेंट कर अभिनंदन किया गया।

मानवता की सेवा से बढ़कर नहीं कोई दान। कार्यक्रम में डॉ.दीपक सोई, डा.चारु लता सोई डॉ.अनीता गर्ग, डॉ.डी.के.निगम, डॉ.संतोष शर्मा, डॉ. श्रीकांत शुक्ला, डॉ.अश्वनी जैन, डॉ.कुणाल डुलानी, डॉ.नीरज सिंह, डॉ.रेनू सोनी, डॉ.राकेश सोनी, डॉ.पी.के. राजपाल, डॉ.प्रवीण निगम, डॉ.मनीषा सोई डॉ.त्रिभुवन सिंह एवं डॉ. एच.डी. होतचंदानी सहित सभी उपस्थित चिकित्सकों का सम्मान किया गया। समारोह में बसंत शर्मा, सुषमा गुप्ता, काजल श्रीवास्तव, नीलांबर झा, श्याम लाल गुप्ता 'श्यामू' सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन बसंत शर्मा ने किया, जबकि अंत में श्याम लाल गुप्ता 'श्यामू' ने सभी चिकित्सकों, अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉक्टर समाज के सच्चे प्रहरी हैं। उनका समर्पण, सेवा और त्याग हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है तथा ऐसे सम्मान समारोह समाज में सेवा, संवेदना और मानवता के मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करते हैं।

### डॉक्टर और चार्टर्ड अकाउंटेंट समाज के दो मजबूत स्तंभ :शैलेंद्र त्रिपाठी

लायंस क्लब सतना नवचेतना के अध्यक्ष शैलेंद्र त्रिपाठी द्वारा 1 जुलाई, राष्ट्रीय चिकित्सक एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस के अवसर पर राजेंद्र नगर स्थित बीकानेर स्वीट्स के सभागार में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले डॉ. राकेश अग्रवाल, डॉ. संकल्प जैन, डॉ. प्रदीप्ति जैन, मेडिकल कॉलेज की डॉ. सौम्या मिश्रा, डॉ. विपिन मिश्रा, वित्तीय क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीए संजय अग्रवाल एवं सीए विराम जैन का स्मृति चिन्ह, शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष शैलेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि डॉक्टर केवल मरीजों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि मानवता की सेवा का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। वहीं चार्टर्ड अकाउंटेंट देश की आर्थिक व्यवस्था को पारदर्शी, सुदृढ़ और व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष लायन डॉ. कृष्णा पांडे एवं अर्जुन तिवारी ने सम्मानित चिकित्सकों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर लायंस क्लब पन्ना के अध्यक्ष विनय त्रिपाठी एवं लायंस क्लब सतना विंध्य के सचिव राजेश अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कायक्रम के सफल आयोजन में लायंस क्लब सतना नवचेतना के पूर्व अध्यक्ष अपूर्व त्रिपाठी की विशेष भूमिका रही। सम्मान कार्यक्रम में मुख्य रूप से लायंस क्लब पन्ना अध्यक्ष विनय त्रिपाठी , राजेश अग्रवाल , राजाभैया त्रिपाठी, आभा तिवारी, रविंद्र गौतम , अवध नरेश मिश्रा , सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, युवराज राम पाण्डेय आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

## रोटरी क्लब सतना ने लगाया रक्तदान शिविर, आयोजित किया सम्मान कार्यक्रम

### 55 लोगों ने किया रक्तदान

मानव सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब सतना द्वारा आज जिला चिकित्सालय, सतना में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पब्लिक इमेज चेयरमैन हरिओम गुप्ता ने बताया कि शिविर में रोटरी रोट्रेक्ट क्लब के सदस्यों एवं इनरव्हील,उद्गम की बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कुल 55 यूनिट रक्तदान कर मानवता की सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। क्लब सतना के अध्यक्ष नीतेश बड़ेरिया ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त किसी व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है।' इस अवसर पर उन्होंने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकों, जिला चिकित्सालय के स्टाफ एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रोटरी क्लब सतना के सचिव राजीव अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आई.एम.ए. के अध्यक्ष डॉ.राकेश अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि रक्त वीर विनोद गेलानी रहे। सभी रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर ज़रूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी योगदान दिया। आज डॉक्टर-डे के अवसर पर जिला अस्पताल के सभी डॉक्टर्स का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के संयोजक मोहित मोंगिया रहे। सह संयोजक के तौर पर डॉक्टर सुनील कारखुर एवं डॉक्टर आलोक खन्ना एवं कोषाध्यक्ष वर्द्धमान जैन का भी विशेष योगदान रहा द्य इस अवसर पर रो. दिलीप अरोरा, अशोक गुप्ता, डॉ.वी.के.गांधी, प्रवीण श्रीवास्तव, हरिओम गुप्ता, गोपाल धूत शरद पांडे, अशोक अग्रवाल की विशेष उपस्थिति रही।

#### इन्होंने किया रक्तदान

मनविंदर ओबेरॉय, नीतेश बड़ेरिया, राजीव अग्रवाल, पवन गुप्ता ,मोहित मोगिया, राशि मोगिया, एकता मोंगिया,चंद्रशेखर अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, आशु खत्री, राहुल अग्रवाल, डॉक्टर सुमित अग्रवाल, अमन अग्रवाल, सनातन अग्रवाल, शैलेंद्र अग्रवाल, अनुराग बंसल, संदीप जैन, शोभित गोयल, रोली गोयल, शरद प्रसाद, संतोष गुप्ता, मनीष कटारे, सचिन अग्रवाल, मेघा जोली, रौनक जोली, मुस्कान जौली, कीर्ति अग्रवाल, डॉक्टर पूर्वा मोगिया, डॉ.जे.पी. मोंगिया, मनोज अरोड़ा, विनय गोयल, शोभित अग्रवाल, वंश अग्रवाल, मेहुल पटेल, कौशिक पारेख, प्रखर गुप्ता, आयुष गुप्ता, रौनक जोली, तनुज मल्होत्रा, अनुज मल्होत्रा, अनिल झुलवानी, संध्या गांधी, मितूलिका प्रसाद, दिलीप वालेजा, गौरव अरोरा, समकित जैन, खुशबू मित्तल, टि्वंकल अग्रवाल अनामिका अग्रवाल, कार्तिक चौरसिया दिशांक चौरसिया, मिहिर खुराना, अंकित सोनी, श्वेतांक, कार्तिक हांडा ने रक्तदान किया। रोटरी क्लब सतना ने भविष्य में भी ऐसे जनहित एवं सेवा कार्य निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

## वी क्लब ने किया चिकित्सकों का सम्मान

वी क्लब सतना द्वारा मनोनीत अध्यक्ष रचना अवस्थी के नेतृत्व में स्थानीय सिंधी कैंप के हंसराज हॉस्पिटल में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के उपलक्ष में डॉक्टर मनीषा सोई एवं डॉक्टर दीपक सोई का सम्मान किया गया। इस अवसर पर कहा गया कि डॉक्टर भगवान का रूप होते हैं अपने मरीजों को नया जीवन देते हैं। सेवा भावना से ओत-प्रोत हमारे डॉक्टर्स हमारे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है, जीवन बताएं बचाने वाले डॉक्टर को शत-शत नमन है। कार्यक्रम में रचना अवस्थी, गीता सिंह, सावित्री गुप्ता अर्चना अग्रवाल, सोमेश अवस्थी रामचंद्र गुप्ता व हॉस्पिटल का स्टाफ मौजूद रहा एवं उनका सहयोग सराहनीय रहा।

## 78 वें चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे सप्ताह पर आईसीएआई ने किये विविध कार्यक्रम

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के 78 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सतना डिस्ट्रिक्ट ब्रांच ऑफ सीआईआरसी ऑफ आईसीएआई द्वारा 20 जून से 2 जुलाई तक खेल, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं उद्यमिता प्रोत्साहन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। शाखा ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से 'सेवा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, खेल एवं उद्यमिता संवर्धन' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया। कार्यक्रमों की शुरुआत 20 एवं 21 जून को आयोजित स्पोर्ट्स वीकेंड से हुई, जिसमें सीए सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज तथा बच्चों की विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इसी श्रृंखला में आयोजित आईसीएआई एमएसएमई महोत्सव-2026 में 150 से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, उद्यमियों, उद्योगपतियों एवं स्टार्टअप संस्थापकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा रहे। विशिष्ट अतिथि ए.पी. सिंह (पूर्व महाप्रबंधक, उद्योग विभाग) एवं वी.पी.सिंह (पूर्व वरिष्ठ संकाय सदस्य, सीईडीमैप) ने एमएसएमई विकास एवं शासकीय योजनाओं पर मार्गदर्शन दिया। टैली विशेषज्ञ ने डिजिटल अकाउंटिंग तथा सीए निर्मला सोनी ने स्टार्टअप पंजीयन एवं वैधानिक अनुपालनों पर जानकारी दी।

1 जुलाई को 78वाँ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे उत्साहपूर्वक मनाया गया। शाखा अध्यक्ष सीए संजय अग्रवाल द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा 50 से अधिक पौधों का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। नव-अर्हताप्राप्त चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सम्मान किया गया। इस अवसर पर 50 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, ब्लड टेस्ट एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक नाश्ता एवं अल्पाहार के साथ हुआ। शाखा की सामाजिक प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए 2 जुलाई को जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूल किट वितरण तथा पन्नीलाल चौक पर खिचड़ी वितरण किया जाएगा।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष सीए संजय अग्रवाल, उपाध्यक्ष सीए रवि अग्रवाल, सचिव सीए अभिषेक कामदार, कोषाध्यक्ष सीए प्रशांत नायक, प्रबंध समिति के सदस्य सीए महान गुप्ता एवं सीए वीराम जैन सहित बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

## लायंस क्लब ने डॉक्टर्स-डे पर किया चिकित्सकों का सम्मान

नगर संवाददाता, सतना।

अंतरराष्ट्रीय समाज सेवी संस्था लायंस क्लब सतना हेल्पिंग हैंड्स द्वारा 1 जुलाई को डॉक्टर्स डे के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक लायन योगेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लायंस इंटरनेशनल डि.3223 सी (मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़) के फर्स्ट वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन पवन मलिक रहे। अध्यक्षता लायंस अध्यक्ष लायन आलोक त्रिपाठी ने की। विशिष्ट अतिथि जोन चेयरमैन लायन जसविंदर सिंह भाटिया 'बब्बल' रहे। डॉक्टर्स डे सम्मान कार्यक्रम में सतना के प्रथम यूरोलॉजिस्ट डॉ पुष्पेंद्र सिंह, सतना के एक मात्र गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉ.प्रकाश चंद्र मिश्रा, डॉ नारायण त्रिपाठी, डॉ.मुलायम सिंह यादव, डॉ.अमित पांडे, डॉ दिनशा बर्मन को अपने चिकित्सा दायित्वों के साथ समाज सेवा में योगदान देते हुए लायंस क्लब के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों एवं सेवा कार्यों में सहयोग के लिए चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।

## ग्रीयू एनर्जी में एकेएस के 10 विद्यार्थियों का चयन

नगर संवाददाता, सतना।

नैक प्रत्यायित एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त एकेएस विश्वविद्यालय, सतना के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक कौशल एवं औद्योगिक तैयारी का उत्कृष्ट परिचय देते हुए नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी ग्रीयू एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड में ? 3.25 लाख (3,25,000) वार्षिक वेतन पैकेज पर चयन प्राप्त किया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की उद्योगोन्मुखी शिक्षण प्रणाली, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण तथा सुदृढ़ प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट व्यवस्था की प्रभावशीलता का प्रमाण है।

चयनित विद्यार्थियों में डिप्लोमा मैकेनिकल से रितेश सिंह बैस, नितिन पांडे, संजय सेन एवं अश्विनी कुमार प्रजापति तथा डिप्लोमा इलेक्ट्रिकल से अभय राज प्रजापति, भुनेश्वर साहू, पंकज सिंह, सुभाष सिंह, आकाश सिंगरौल एवं प्रताप सिंह शामिल हैं। इस प्रकार विश्वविद्यालय के कुल 10 विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित कंपनी में अपनी प्रतिभा के बल पर स्थान सुनिश्चित किया।

प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी बालेंद्र विश्वकर्मा, सहायक प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी मनोज सिंह तथा प्रफुल्ल गौतम ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तकनीकी ज्ञान, अनुशासन, नवाचार और कार्यनिष्ठा ही दीर्घकालिक सफलता के आधार हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा व्यक्त की कि वे अपनी कार्यकुशलता, सकारात्मक दृष्टिकोण और उत्कृष्ट प्रदर्शन से कंपनी तथा विश्वविद्यालय दोनों की प्रतिष्ठा में निरंतर वृद्धि करेंगे।

शहर हित के मुद्दों पर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

## विन्ध्य चेम्बर की नव निर्वाचित कार्यकारिणी की परिचयात्मक बैठक सम्पन्न

नगर संवाददाता, सतना।

विन्ध्य चेम्बर ऑफकॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, सतना की सत्र 2026-28 की नव निर्वाचित कार्यकारिणी समिति की परिचयात्मक एवं अनौपचारिक बैठक बुधवार की सायं 4:30 बजे चेंबर सभागार में अध्यक्ष सतीश सुखेजा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

चेम्बर महामंत्री मनोज कटारे ने बताया कि बैठक में नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का परिचय कराया गया तथा आगामी दो वर्षों में चेंबर द्वारा व्यापार, उद्योग एवं जनहित से जुड़े विषयों पर किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने व्यापारियों की समस्याओं के समाधान तथा शहर के समग्र विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

साथ ही बताया कि बैठक मे सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नगर के जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर नगर निगम का ध्यान आकृष्ट कराया जाए। इसी क्रम में चेंबर की ओर से महापौर योगेश ताम्रकार को पत्र प्रेषित कर अनुरोध किया गया कि वर्षा ऋतु के आगमन से पूर्व शहर के सभी प्रमुख नालों एवं नालियों की व्यापक साफ-सफाई कराई जाए, ताकि जलभराव, गंदगी तथा नागरिकों को होने वाली असुविधा से बचा जा सके। इसके अतिरिक्त चेम्बर द्वारा महापौर को एक अन्य पत्र लिखकर कंपनीबाग स्थित अग्रवाल वाटिका को विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज को गोद दिए जाने का आग्रह किया गया। चेम्बर ने विश्वास व्यक्त किया कि वाटिका के संरक्षण, सौंदर्यीकरण, हरित विकास एवं सुव्यवस्थित रख रखाव में संस्था अपनी सक्रिय एवं सकारात्मक भूमिका निभाएगी, जिससे यह स्थल शहरवासियों के लिए और अधिक आकर्षक एवं उपयोगी बन सके।

बैठक में चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने सभी नव निर्वाचित सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि विन्ध्य चेम्बर सदैव व्यापारिक हितों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों एवं शहर के विकास के लिए भी प्रतिबद्ध रहेगा तथा प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देगा।

बैठक में अध्यक्ष सतीश सुखेजा, महामंत्री मनोज कटारे, मंत्री मनोज अरोरा, सहमंत्री हिमांशु अरोरा, कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल कार्यकारिणी सदस्य मनोज गुप्ता, चितेष ठक्कर, रोहन ठक्कर, संदीप कुमार गुप्ता, सुधीर अग्रवाल, विनोद गेलानी, मोहित अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, पियूष अग्रवाल 'अंकित', चंदभान दासानी, कमलेष्वर प्रसाद अग्रवाल 'मुन्ना' रेडीमेड वस्त्र व्यापारी संघ के अध्यक्ष रवि मिरानी मंत्री सचिन जैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## नव निर्वाचित कार्यकारिणी ने निकाली धन्यवाद यात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत

नगर संवाददाता, सतना।

विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, सतना की नव निर्वाचित कार्यकारिणी ने आज 1 जुलाई को धन्यवाद यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा शाम 4:30 बजे अग्रसेन चौक से प्रारंभ होकर जय स्तंभ चौक, बिहारी चौक, चौक बाजार, पन्नीलाल चौक, पुराना पावर हाउस, हनुमान चौक, शास्त्री चौक होते हुए लालता चौक में संपन्न हुई।

धन्यवाद यात्रा का व्यापारियों ने दिल खोलकर पुष्प वर्षा, अजगर माला, साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया, इस अवसर पर काजू,बादाम, मीठाईया, आइस्क्रीम, मठा, रसगुल्ले, खिला कर सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का मुंह मीठा कराया गया। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित अध्यक्ष सतीश सखेजा, महामंत्री इंजीनियर मनोज कटारे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोहर वाधवानी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक जैन, मंत्री मनोज अरोरा, सह मंत्री हिमांशु सिंह अरोरा एवं कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल सहित पूरी कार्यकारिणी सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर व्यापारियों से बड़ी संख्या में धन्यवाद यात्रा में शामिल होकर नव निर्वाचित कार्यकारिणी का उत्साहवर्धन करने की अपील की गई। कार्यक्रम में शहर के अनेक व्यापारी एवं उद्योग जगत से जुड़े लोगों की सहभागिता रही।

## संक्षिप्त समाचार

### भाजपा नेता बुद्धिलाल यादव की सड़क दुर्घटना में मौत

रामबाग। रीवा जिले के सिरमौर विधानसभा के भाजपा मंडल जवा के वरिष्ठ भाजपा नेता बुद्धिलाल यादव निवासी जनकहाई थाना जवा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। आपको बता दें कि बुद्धिलाल यादव अपने साथियों के साथ रीवा तरफ गए हुए थे जहां माड़ौ के पास सामने से आ रही बुलेरो ने ऑटो को जोरदार टक्टर मार दिया जिसमें ऑटो में सवार बुद्धिलाल यादव की मौत हो गई वही अन्य लोग बुरी तरह से घायल हो गए। श्री यादव के निधन से सिरमौर विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ताओ में शोक की लहर दौड़ गई है। सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह ने कहा कि बुद्धिलाल यादव भाजपा के एक समर्पित कार्यकर्ता थे सिरमौर विधानसभा ने एक सच्चे कार्यकर्ता खो दिया है। शोक व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से भाजपा के जवा मंडल अध्यक्ष अखिलेश सिंह डभौरा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र अग्निहोत्री अतरैला मंडल अध्यक्ष सालिकराम साहू सिरमौर मंडल अध्यक्ष सुदामा कोल बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर कुशवाहा पूर्व मंडल अध्यक्ष हरिप्रसाद कुशवाहा पूर्व मंडल अध्यक्ष कमलराज सिंह विधायक प्रतिनिधि बालेन्द्रशेखर चतुर्वेदी विधायक प्रतिनिधि आनंद सिंह विधायक प्रतिनिधि रामपाल सिंह मंडल महामंत्री त्रिभुवन वर्मा सर्वेश तिवारी सुशील सिंह अनिल सिंह पुनीत सिंह विनोद पाण्डेय शशि सोनी सुचित गुप्ता ओम पाठक अंकित द्विवेदी मनोज कुशवाहा जितेंद्र मिश्रा बृजेश सिंह गोहाना शिखर सिंह बघेल लवकुश सिंह देवकुमार पांडेय जितेंद्र तिवारी हंसराज सिंह सहित कई लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त किया है।

### संबल योजना के हितग्राहियों को मिली अनुग्रह सहायता राशि

पन्ना। जिला मुख्यालय पर कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी व्हीसी कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे की अध्यक्षता में जनकल्याण संबल योजना अंतर्गत श्रमिक परिवारों को अनुग्रह सहायता राशि का वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पन्ना जिले के 261 प्रकरणों में भी हितग्राहियों को 5 करोड़ 63 लाख रूपए की सहायता राशि मिली। जिले के हितग्राहियों को सामान्य एवं दुर्घटना मृत्यु तथा स्थायी अपंगता के प्रकरणों में सहायता राशि का लाभ मिला। पवई विकासखण्ड के सर्वाधिक 63 श्रमिक परिवार लाभांवित हुए जबकि गुनौर ब्लॉक के 25, शाहनगर ब्लॉक के 41 पन्ना ब्लॉक के 58 अजयगढ़ ब्लॉक के 50 तथा नगरीय निकाय पन्ना के 12, देवेन्द्रनगर के 3, गुनौर के 3, पवई, अजयगढ़ और अमानगंज के दो.दो प्रकरणों में हितग्राहियों को सहायता राशि प्राप्त हुई है।

### विधायक आज कई कार्यक्रमों में लेंगे भाग

अमानगंज। भारतीय जनता पार्टी पन्ना जिले की गुनौर विधानसभा क्षेत्र के ऊर्जावान विधायक डॉक्टर राजेश वर्मा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पखवाड़े के विशेष मौके पर 23 जून से 6 जुलाई तक विभिन्न आयोजन अपनी विधानसभा में आयोजित कर रहे हैं इस मौके पर मंडल अमानगंज में आज 2 जुलाई को 10.00 बजे से ग्राम पंचायत इटौरी मझगवां।

युवाओं के भविष्य,किसानों के संकट और उज्जैन भूमि प्रकरण पर कांग्रेस का प्रदेशव्यापी जनआंदोलन

# मुख्यमंत्री जवाब दें या पद छोड़ें: कमलेश्वर पटेल

रीवा, नगर संवाददाता।

कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य कमलेश्वर पटेल ने सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकारवार्ता में कहा कि मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रदेशभर में चरणबद्ध जनआंदोलन शुरू कर रही है। यह आंदोलन प्रदेश के युवाओं, किसानों और आम जनता के अधिकारों की रक्षा तथा सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जाएगा। श्री पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश में लाखों युवाओं का भविष्य लगातार संकट में डाला जा रहा है। नीट एवं सीबीएसई परीक्षा से जुड़े विवादों और विद्यार्थियों की शिकायतों ने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। प्रभावित विद्यार्थियों ने न्याय की गुहार लगाई, लेकिन उन्हें समय पर राहत नहीं मिली। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश कांग्रेस लगातार छात्रों के साथ खड़ी रही है और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी विद्यार्थियों के साथ हुए कथित अन्याय का मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। इन्हीं मुद्दों को लेकर प्रदेश कांग्रेस छात्रों की गूंज अभियान के माध्यम से प्रदेशभर में विद्यार्थियों के बीच जाएगी और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता तथा जवाबदेही की मांग करेगी।

#### किसानों के साथ अन्याय

कमलेश्वर पटेल ने कहा कि खरीफ सीजन के बीच प्रदेश का किसान गंभीर संकट से गुजर रहा है। किसानों को समय पर खाद उपलब्ध नहीं हो रही है। अनेक स्थानों पर डीएपी उपलब्ध नहीं है, एनपीके ऊंचे दामों पर मिल रही है और खाद वितरण की व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि टोकन व्यवस्था के कारण किसानों को कई-कई दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। अनेक स्थानों से खाद की कालाबाजारी और मनमाने दाम वसूले जाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। कांग्रेस इन सभी मुद्दों को लेकर गांव-गांव तक आंदोलन चलाएगी।

#### उज्जैन भूमि प्रकरण और जवाबदेही

श्री पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय समाचार पत्र इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित रिपोर्टों में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जुड़े उज्जैन भूमि प्रकरण को लेकर गंभीर प्रश्न उठाए गए हैं। इन रिपोर्टों में भूमि आवंटन और निर्णय प्रक्रिया को लेकर कई सवाल सामने आए हैं, लेकिन आज तक मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता के सामने स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। कहा कि यदि मुख्यमंत्री निर्दोष हैं तो पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराकर सभी तथ्य सार्वजनिक करें। यदि ऐसा नहीं किया जाता, तो प्रदेश की जनता इसे लोकतांत्रिक जवाबदेही से बचने का प्रयास मानेगी।

#### भ्रष्टाचार और जवाबदेही के अन्य प्रश्न

कमलेश्वर पटेल ने कहा कि महाकाल लोक परियोजना में अनियमितताओं और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर भी समय-समय पर गंभीर सवाल उठे हैं। प्रदेश की जनता जानना चाहती है कि इन मामलों में जवाबदेही किसकी तय हुई और क्या कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में जो चंदा चोरी का मामला आया है वो करोड़ों सनातनियों के आस्था पर एक प्रहार है। कांग्रेस ने अन्य प्रश्नों को भी रखा जिनमें उज्जैन भूमि प्रकरण पर मुख्यमंत्री सार्वजनिक रूप से जवाब कब देंगे ? क्या सरकार पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराएगी ? एक रुपये अथवा रियायती दर पर किन-किन ट्रस्टों और संस्थाओं को सरकारी भूमि आवंटित की गई? इसकी पूरी सूची सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही? किसानों को समय पर डीएपी और यूरिया एवं पर्याप्त बिजली क्यों उपलब्ध नहीं कराई जा रही ? खाद की कालाबाजारी रोकने में सरकार क्यों विफल रही ? विद्यार्थियों को न्याय दिलाने और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने अब तक क्या कदम उठाए हैं ?

#### भ्रष्टाचार की जानकारी के लिए विशेष पोर्टल

उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस शीघ्र ही एक विशेष डिजिटल पोर्टल प्रारंभ करेगी, जहां नागरिक भ्रष्टाचार, सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग अथवा अवैध संपत्ति से जुड़ी जानकारी गोपनीय रूप से उपलब्ध करा सकेंगे। जानकारी देने वाले की पहचान सुरक्षित रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस द्वारा प्रदेशभर में पत्रकार वार्ताएं,छात्रों की गूंज अभियान, मुख्यमंत्री के प्रत्येक दौरे पर कांग्रेस द्वारा सार्वजनिक प्रश्न, 15 जुलाई को भोपाल में मुख्यमंत्री निवास का घेराव,जुलाई के अंतिम सप्ताह में उज्जैन में भूमि प्रकरण को लेकर विशाल जनआंदोलन एवं रैली, विधानसभा सत्र में इन सभी मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। पत्रकारवार्ता दौरान कांग्रेस संगठन महामंत्री रवि तिवारी,रमाशंकर सिंह,अशोक पटेल झब्बू,बबिता साकेत सहित अन्य कांग्रेसनेता उपस्थित रहे।

## साइबर शपथ व प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

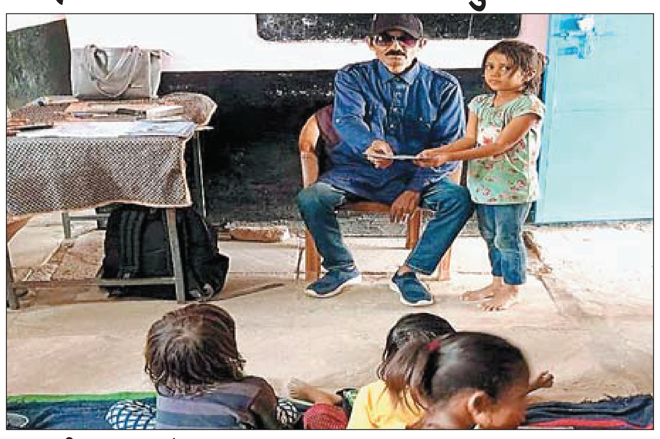

रीवा, नगर संवाददाता।

1 जुलाई 2026 को जन शिक्षा केंद्र शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय महसाव के प्राचार्य राजकुमार सिंह के निर्देशन में शासकीय माध्यमिक शाला रीठी रीवा में जागरूकता अभियान के तहत साइबर सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत साइबर सुरक्षा की शपथ राजेंद्र सिंह एवं विशाल शुक्ला द्वारा दिलवाई गई, एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। आयोजन में रामकृष्ण द्विवेदी, सुनीता पटेल, पुष्पा दुबे, रेनू वर्मा सतीश ताम्रकार सहित विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

संभागीय समीक्षा बैठक में संभागायुक्त शीलेन्द्र सिंह ने दिए निर्देश

## चौथी,पांचवीं का छात्र पढ़ना लिखना नहीं जानता तो प्राचार्य और शिक्षक होंगे जिम्मेदार

रीवा, नगर संवाददाता।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में संभागायुक्त शीलेन्द्र सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि स्कूलों में केवल बच्चों का नामांकन कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर पढ़ना-लिखना सिखाना शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निरीक्षण के दौरान कक्षा चौथी या पांचवीं का कोई छात्र पढ़ना-लिखना नहीं जानता पाया गया तो इसे विद्यालय की गंभीर लापरवाही माना जाएगा और संबंधित प्राचार्य एवं शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। स्कूल शिक्षा

विभाग की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त ने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल बच्चों को स्कूल तक लाना नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी शिक्षा उपलब्ध कराना है। बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह स्वयं विद्यालयों का निरीक्षण करेंगे और यदि शिक्षण व्यवस्था में लापरवाही मिली तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

#### सीएम हेल्पलाइन की लम्बित शिकायतों पर जतायी नाराजगी

बैठक में संभागायुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों को अपने कार्यों की नियमित समीक्षा करने, समस्याओं का समयबद्ध समाधान निकालने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को पूरी गंभीरता से निभाए और यह सुनिश्चित करे कि आम नागरिक को योजनाओं का लाभ बिना किसी अनावश्यक विलंब के मिले। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान संभागायुक्त ने सौ दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ऊर्जा, स्वास्थ्य, राजस्व सहित अन्य विभागों को लंबित प्रकरणों का संतोषजनक एवं समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए।

#### समय पर और उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराने पर दिया जोर

कृषि विभाग की समीक्षा में संभागायुक्त ने किसानों को समय पर और उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संयुक्त संचालक कृषि को निर्देश दिए कि अधिक कीमत पर खाद बेचने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारी पूरी सतर्कता के साथ आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और गति लाने के उद्देश्य से संभागायुक्त ने सभी विभागों को ई-ऑफिस प्रणाली का प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए।

## जन्म शताब्दी वर्ष पर याद किए गए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ओंकार नाथ खरे

रीवा, नगर संवाददाता।

देश की आजादी के आंदोलन में कठोर जेल यातना उठाने वाले ओंकार नाथ खरे के व्यक्तित्व कृतित्व पर स्थानीय स्वयंवर बारात घर में नारी चेतना मंच, समता सम्पर्क अभियान, विंध्यांचल जन आंदोलन एवं समाजवादी कार्यकर्ता समूह के संयुक्त तत्वावधान में एक विचार संगोष्ठी संपन्न हुई। कार्यक्रम का संचालन नारी चेतना मंच की अध्यक्ष साक्षी मोटवानी महंत ने किया। इस अवसर पर जन संगठनों के द्वारा आजादी के अमर योद्धा स्वर्गीय खरे के ऐतिहासिक चित्रों के साथ प्रकाशित एक फोल्डर भी वितरित किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय खरे के जीवन पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने बताया कि सन 1942 में रीवा सहित देश के अनेक स्थान ऐसे थे जहां जनसाधारण में अंग्रेजो के खिलाफ असंतोष व्याप्त था। एक सत्याग्रही के रूप में ओंकार नाथ खरे ने अंग्रेजों के खिलाफ चल रहे आन्दोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्हें 38 डी.आई.आर. के अंतर्गत बंदी बनाकर रीवा केन्द्रीय जेल में रखा गया। नजरबंद हालत में उन पर मुकदमा चला। ब्रिटिश हुकुमत के खिलाफ विद्रोह के आरोप में उन्हें 6 माह का कठोर कारावास और रू. 150 का अर्थदंड दिया गया। क्रांतिवीर ओंकार नाथ खरे ने न तो सजा माफी की कोई अर्जी लगाई और न ही अर्थदंड भरा जिसके चलते उनकी सजा को दो माह बढ़ा दिया गया। सजा मिलने के बाद ओंकार नाथ खरे ने जेल यातनाओं से हार नहीं मानी। उन्होंने नजरबंदी के अलावा 9 अक्टूबर 1942 से लेकर 8 जून 1943 तक रीवा जेल में कठोर कारावास (आड़ा बेड़ी काल कोठरी) की यातना उठाई। इसके अतिरिक्त उन्हें 31 बेंतो की भी सजा सुनाई गई। नंगे शरीर पर लगाई जाने वाली हर बेंत पर ओंकार नाथ खरे इंकलाब जिंदाबाद, भारतमाता की जय और महात्मा गाँधी जिंदाबाद का उद्घोष करते थे। सत्रह वर्षीय किशोर ओंकार नाथ के नंगे बदन पर लगातार 21 बेंतों को लगाए जाने तक वह लहुलुहान होकर बेहोश हो गये। शेष 10 बेंतों की सजा रोक दी गई।

## बाल भारती विद्यालय में करियर काउंसलिंग से विद्यार्थियों को मिली नई दिशा

रीवा, नगर संवाददाता।

1 जुलाई को बाल भारती विद्यालय में कक्षा 10वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर करियर काउंसलर प्रतीक तिवारी व्याख्याता टोलानी मेरीटाइम इंस्टिट्यूट पुणे ने विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों, उच्च शिक्षा के अवसरों तथा भविष्य की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि, योग्यता एवं लक्ष्य के अनुरूप करियर का चयन करने की सलाह देते हुए कहा कि सही दिशा में की गई तैयारी और निरंतर मेहनत आपको सफ्ल बनाएगी, साथ ही उन्होंने जल सेना में उपलब्ध रोजगार के अवसरों, प्रवेश प्रक्रियाओं तथा आवश्यक योग्यताओं के विषय में विस्तार से जानकारी दिया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे, जिनका श्री तिवारी ने प्रभावी एवं प्रेरणादायक ढंग से उत्तर दिया।

#### तैरना सीखना है तो पानी में उतरना ही होगा

इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक एवं प्राचार्य ने श्री तिवारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होने का संदेश देते हुए कहा कि ''तैरना सीखना है तो पानी में उतरना ही होगा, किनारे बैठकर कोई गोताखोर नहीं हो सकता।'' मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से सफ्लता अर्जित की जा सकती है। इसलिए विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने और लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। बाल भारती विद्यालय का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उन्हें ज्ञान, कौशल और संस्कारों से समृद्ध करना है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में शिक्षण कार्य को अधिक प्रभावी नवाचारी एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में महापौर के निशाने पर रहे ठेकेदार

## समय सीमा में कार्य नहीं करने वाले संविदाकारों पर पेनाल्टी और बिलों की कटौती के निर्देश

रीवा, नगर संवाददाता।

महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' ने निगम आयुक्त अक्षत जैन की उपस्थिति में बुधवार को शहर में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में जोनवार निर्माण कार्यों सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी लेते हुए गहन चर्चा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जोन क्रमांक 1 में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए समय-सीमा के बाद भी पूर्ण नहीं हुए सभी कार्यों के संबंधित संविदाकारों पर पेनाल्टी लगाते हुए उनके बिलों में कटौती करने के निर्देश दिए। वार्ड क्रमांक 2 लाखौरी बाग में निर्माणाधीन मुक्तिधाम का कार्य बंद होने पर टेंडर निरस्त कर पुनः टेंडर जारी करते हुए कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही वार्ड क्रमांक 4 स्थित खोखम रोड का कार्य जल्द पूर्ण कराने के लिए कहा। इसी प्रकार जोन क्रमांक 2 में संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए ऋतुराज पार्क के कार्य की समय सीमा पूर्ण होने के बाद भी कार्य पूरा नहीं करने पर संबंधित संविदाकार के बिल में प्रत्येक दिन के हिसाब से कटौती करने के निर्देश दिए। जोन क्रमांक 3 में वार्ड क्रमांक 15 के मुक्तिधाम एवं हॉकर्स कॉर्नर के कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने तथा जोन क्रमांक 4 में नेत्रहीन एवं मूक-बधिर विद्यालय के निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने एवं बच्चों के लिए अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। महापौर ने गुणवत्ताविहीन निर्माण कार्यों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

#### लापरवाह ठेकेदारों को करें ब्लैकलिस्टेड

महापौर ने कहा कि अधिक बिलो टेंडर रेट वाले कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक उपयंत्री को निर्माण स्थल पर उपस्थित रहकर कार्य कराने तथा सहायक यंत्री एवं कार्यपालन यंत्री को भी नियमित अंतराल पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए जिससे कार्य गुणवत्तापूर्ण हो सके। उन्होंने धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। वहीं जिन संविदाकारों द्वारा कार्य प्रारंभ नहीं किए जा रहे हैं अथवा अनावश्यक विलंब किया जा रहा है, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए । एलओए जारी होने के बाद भी अनुबंध निष्पादित नहीं करने वाले संविदाकारों के अनुबंध निरस्त कर उनकी जमा राशि राजसात करने के निर्देश भी दिए।

#### नदी,नालों के आसपास हो रहे अवैध निर्माणों की करायें जांच

महापौर ने कुछ स्थानों पर डस्ट की शिकायत मिलने पर सख्त निर्देश दिए कि किसी भी निर्माण स्थल पर डस्ट नहीं दिखाई देनी चाहिए। ऐसा पाए जाने पर संबंधित संविदाकार पर पेनाल्टी अधिरोपित करते हुए निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाए। महापौर ने अवैध निर्माणों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने नदी के आसपास किए गए अवैध निर्माणों की जांच कर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही शहर में बन रही कमर्शियल भवनों में बेसमेंट पार्किंग की प्रयाप्त व्यवस्था हो सुनिश्चित करने के निर्देश दिए । इसके साथ ही उन्होंने भयप्रद भवनों को चिन्हित कर उन्हें गिराने के निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में एमआईसी सदस्य पार्षद धनेद्र सिंह बघेल, कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह,एचके त्रिपाठी, सिद्धार्थ सिंह, सहायक आयुक्त रामनरेश तिवारी, सहायक यंत्री पी एन शुक्ला,कमलेश्वर सिंह, अभिनव चतुर्वेदी एवं उपयंत्री सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

## डभौरा, मनगवां में मनाया गया अखिलेश यादव का जन्मदिन

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा जिले के सिरमौर एवं मनगवां विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी जिला इकाई रीवा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाया। मनगवा के ग्राम महमूदपुर मे सपा नेता ऋषि पाठक सचिन साकेत विनीत साहू सतीश विश्वकर्मा अतुल विश्वकर्मा ने भंडारे का आयोजन कर सपा सुप्रीमो का जन्मदिन मनाया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सपा जिला अध्यक्ष अमरेश पटेल रहे। विशिष्ट अतिथि जिला महासचिव रामचंद्र यादव एवं अरुणेंद्र पटेल रहे।

साथ ही डभौरा बस्ती के लापता तेंदुपत्ता श्रमिक फूलचंद आरख की पुत्री और परिवार वालों के द्वारा 11वें दिन थाना डभौरा के सामने क्रमिक अनशन जारी है लेकिन पुलिस अभी तक गुमशुदा फूलचंद आरख का पता नहीं लगा सकी। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव जगदीश सिंह यादव अपन समर्थकों के साथ धरने में शामिल होकर शासन प्रशासन को दोषी ठहराया है। धरना स्थल पर ही सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश सिंह यादव का जन्मदिन न्याय दिवस के रूप में मनाया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी जय पटेल ने दी है।

संपादकीय

## चढ़ावा चोरी की छिद्रमय जांच

उप्र के पुलिस महानिदेशक रहे डॉ. विक्रम सिंह और सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक एमएल शर्मा का अनुमान हैं कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला शायद ही किसी निष्कर्ष तक पहुंचे, क्योंकि जांच के नाम पर जो किया जा रहा है, उसमें कई छिद्र हैं और वह सवालिया भी है। बड़ी आरामदेह जांच चल रही है। जांच के नाम पर तमाशा किया जा रहा है। अहम और संदेहास्पद सवाल यह है कि जिन 8 आरोपियों को पुन: 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है, उनकी रिमांड पुलिस ने क्यों नहीं मांगी? यदि रिमांड नहीं है, तो आरोपियों से पूछताछ, सवाल-जवाब कैसे किए जाएंगे?

गौरतलब है कि विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने खुलासा किया है कि बीती 5 जून को राम मंदिर ट्रस्ट ने खुद प्राथमिक जांच कराई। पुलिस की मदद ली गई और आरोपी अविनाश शुक्ला के घर से करीब पांच लाख रुपए नकदी का काला बैग बरामद किया गया, लेकिन 7 जून को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'चोरी' से इंकार कर दिया। कहा कि कुछ उल्लेखनीय बात नहीं हुई। पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह इसे ट्रस्ट की 'गैर-कानूनी' हस्तक्षेप मानते हैं। पुलिस किसके आदेश पर उस छापेमारी में शामिल हुई? उनका सवाल है कि रुपए बरामद होने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? दरअसल, पहली बरामदगी और 25 जून को प्राथमिकी दर्ज कराने के बीच 20 लंबे दिनों का फासला था। उस दौरान आरोपियों और उनके आकाओं ने सबूत मिटा दिए होंगे, चोरी की रकम ठिकाने लगा दी होगी और उसके बावजूद अयोध्या पुलिस ने आरोपियों को रिमांड पर नहीं लिया, तो जाहिर है कि जांच का निष्कर्ष नहीं निकलेगा। क्या चढ़ावा चोरी का इतना संवेदनशील, भ्रष्ट मामला 'बेनतीजा' भी रह सकता है? साफ लगता है कि ट्रस्ट के स्तर पर बहुत कुछ छिपाया जा रहा है, लिहाजा अपराध में बराबर की भूमिका चंपत राय बंसल, अनिल मिश्रा आदि की भी है! पुलिस ने चंपत राय से भी पूछताछ की है और उनका बयान दर्ज कर लिया गया है, लेकिन उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और न ही उन्हें आरोपी करार दिया गया है, क्यों?

आश्चर्य यह है कि पुलिस ने 8 आरोपियों के घर पर छापेमारी की। नकदी, आभूषण और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए जाने का दावा भी किया जा रहा है। आरोपियों के परिजनों से भी पूछताछ की गई है। फिर भी अदालत में पुलिस ने आरोपितों की रिमांड क्यों नहीं मांगी? क्या पुलिस सब कुछ जानती है? क्या पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य जुटा लिए हैं? क्या यह राजनीतिक दबाव, आरोपितों को संरक्षण, सांठगांठ का मामला है। 'बड़ी मछलियां' डर रही होंगी कि ये 'छोटी मछलियां' कहीं सच न उगल दें और 'मगरमच्छ' जाल में न फंस जाएं! गौरतलब यह भी है कि प्रभु श्रीराम के मंदिर में व्यापक, अनवरत चोरी की जाती रही, उसकी जांच तो अभी जारी है, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के आंदोलन का मुद्दा उछाल दिया है। उसमें सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी लपेटने की कोशिश की गई है। क्या 2027 के विधानसभा चुनाव का बड़ा मुद्दा चढ़ावा चोरी भी बन सकता है? जांच तो उन राम-शिलाओं की भी होनी चाहिए, जो चांदी की बनी थीं। साथ में दीपक और फूल भी चांदी के थे। देश के करीब 5 लाख गांवों में 100-100 रुपए की पर्ची काट कर धन इकट्ठा किया गया था। कहां है वह धन...कौन हिसाब देगा? इस मामले में निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और घपला करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

## जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़

# क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुन: उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। इतिहास

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णत: सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

## डॉक्टर इलाज के साथ उम्मीद भी जिंदा करता है

अनिरुद्ध सिंह 'कुसुम'

लेखक/पत्रकार

गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति की आख़िरी उम्मीद डॉक्टर ही होता है, वो डॉक्टर से यही कहता है सर कोई तो दवा होगी कहीं से भी बुलाओ बस मुझे बचा लो, एक दुर्घटना में घायल व्यक्ति यही कहता है बस जल्दी से मुझे हॉस्पिटल पहुंचा दो क्योंकि एक घायल व्यक्ति की आख़िरी उम्मीद डॉक्टर ही होता है ,घायल और बीमारी से पीड़ित व्यक्ति डॉक्टर से ही उम्मीद कर सकता है और डॉक्टर भी अपने पेशे की ज़िम्मेदारी और गम्भीरता को समझता है इसलिए वो मरीज से कहता है मैं पूरी कोशिश करूंगा तुम बस हिम्मत रखो।डॉक्टर का काम सिर्फ पर्चे पर दवा लिखना नहीं होता। वो बीमारी से लड़ने की हिम्मत भी लिखता है। जब मरीज के अंदर से जीने की चाह खत्म होने लगती है, तब डॉक्टर का एक शब्द जादू की तरह काम करता है। इसीलिए कहते हैं कि डॉक्टर इलाज के साथ उम्मीद भी जिंदा करता है। डॉक्टर और उम्मीद का रिश्ता दवा और मर्ज से भी पुराना है। अस्पताल की सफेद दीवारों के बीच जब सब तरफ खामोशी पसर जाती है, तब एक सफेद कोट वाला इंसान आकर कहता है हम कोशिश करेंगे। बस यही तीन शब्द मौत के दरवाजे से ज़िंदगी को वापस खींच लाते हैं। इसीलिए सच है जब तक डॉक्टर है, ज़िंदगी की उम्मीद ज़िंदा है।

**डॉक्टर- उम्मीद का पहला नाम अंधेरे में रोशनी**- आईसीयू के बाहर जब परिवार की आंखें जवाब ढूंढ रही होती हैं, तब डॉक्टर का चेहरा ही पहली उम्मीद बनता है। उसका आना मतलब अभी जंग जारी है।

**टूटे हौसले का सहारा**- कैंसर, एक्सीडेंट, हार्ट अटैक के बाद जब मरीज खुद से हार मान लेता है, तब डॉक्टर कहता है तुम्हारी बीमारी बड़ी है, लेकिन तुम्हारी हिम्मत से बड़ी नहीं। ये एक लाइन मरीज को फिर से उठा देती है। जब दवा से पहले दुआ काम आती है।

**पहला भरोसा**- इमरजेंसी में जब मरीज दर्द से तड़प रहा होता है, तब डॉक्टर का पहला वाक्य होता है घबराओ मत, मैं हूं ना। ये 5 शब्द किसी भी पेनकिलर से ज्यादा तेजी से असर करते हैं। मरीज की आधी बीमारी उसी वक्त कम हो जाती है।

**आंखों की भाषा**- डॉक्टर मरीज की रिपोर्ट से पहले उसकी आंखें पढ़ता है। आंखों में डर है या हौसला, ये देखकर वो तय करता है कि इलाज के साथ कितनी उम्मीद देनी है।

**हाथ का स्पर्श**- बुखार में तपते मरीज के माथे पर जब डॉक्टर हाथ रखता है, तो वो सिर्फ टेंपरेचर नहीं चेक करता। वो ये एहसास दिलाता है कि तुम अकेले नहीं हो। ये स्पर्श उम्मीद की पहली खुराक होता है।

**उम्मीद कैसे बनती है सबसे बड़ी दवा**

**हार्ट अटैक के बाद** -बायपास के बाद जब मरीज को लगता है अब जिंदगी खत्म, तब डॉक्टर कहता है अब तो दूसरी पारी शुरू हुई है। ये सुनकर मरीज वॉक पर जाना शुरू करता है, परहेज करता है। उम्मीद उसे दोबारा जिंदगी की पटरी पर लाती है।

**डिप्रेशन का इलाज**- नींद की गोली से पहले डॉक्टर 10 मिनट मरीज से बात करता है। उसकी नौकरी, परिवार, टेंशन सुनता है। कई बार मरीज को दवा की नहीं, सिर्फ सुनने वाले की जरूरत होती है। डॉक्टर वो उम्मीद बनता है।

**कोरोना काल- पीपीई में छुपा चेहरा**- मरीज अपनों से दूर था। डॉक्टर ही परिवार था। ऑक्सीजन लेवल गिरने पर जब डॉक्टर कहता था तुम फाइटर हो, 2 दिन में ढ्ढष्ट से बाहर आओगे, तो सच में लोग बाहर आ जाते थे।

**वीडियो कॉल वाली उम्मीद**- डॉक्टर ने परिजनों से कहा हम पूरी कोशिश कर रहे हैं, आप प्रार्थना मत छोड़ना। ये उम्मीद ही थी जिसने हजारों घरों के चिराग बुझने से बचाए।

**खुद की कीमत पर**- सैकड़ों डॉक्टरों ने मरीजों की उम्मीद जिंदा रखते रखते अपनी सांसें गंवा दीं। वो जानते थे कि अगर डॉक्टर टूट गया तो मरीज का क्या होगा।

**डॉक्टर उम्मीद कैसे जिंदा रखता है**

**दवा से पहले भरोसा देता है**- इंजेक्शन लगाने से पहले डॉक्टर का डरो मत कहना ही आधा इलाज कर देता है। मरीज को लगता है कोई है जो मुझे बचाने के लिए खड़ा है।

**आखिरी सांस तक लड़ता है**- डॉक्टर जानता है कि हर केस नहीं बचेगा। फिर भी वो 36 घंटे बिना सोए ष्टक्कक्र देता है। क्योंकि उसके लिए एक पल की उम्मीद भी कीमती है। कोरोना में हमने देखा कि डॉक्टर अपनी जान पर खेलकर दूसरों की उम्मीद बचाते रहे। सच बोलकर भी डॉक्टर झूठी तसल्ली नहीं देता। वो कहता है बीमारी बड़ी है, पर नामुमकिन नहीं। ये सच मरीज को हकीकत से लड़ना सिखाता है। छोटी जीत सेलिब्रेट करके- आज 2 रोटी खा ली, शाबाश। आज 10 कदम चल लिए, बहुत बढ़िया। डॉक्टर की ये छोटी तारीफें मरीज के अंदर बड़ी जंग जीतने की उम्मीद भरती हैं।

**परिवार को जोड़कर**- डॉक्टर सिर्फ मरीज का नहीं, पूरे परिवार का इलाज करता है। वो मां से कहता है आपके हाथ के खाने से ये जल्दी ठीक होगा। ये सुनकर मां की उम्मीद और मरीज की रिकवरी दोनों बढ़ जाती है।

**अगर डॉक्टर ना हो तो**-तेज बुखार में भी इंसान ये सोचकर सो जाता है कि सुबह डॉक्टर को दिखा लेंगे। अगर ये भरोसा टूट जाए तो छोटी बीमारी भी जानलेवा लगने लगेगी।

**समाज की सांसें थम जाएंगी**- डॉक्टर सिर्फ मरीज नहीं बचाता। वो एक पिता को उसके बच्चों के लिए, एक बेटी को उसकी मां के लिए जिंदा रखता है। डॉक्टर गया तो पूरा परिवार की उम्मीद गई।

डॉक्टर को भगवान का दर्जा मत दो, पर इंसान तो समझो। वो अपनी नींद, त्योहार, परिवार कुर्बान करके आपकी उम्मीद जिंदा रखता है। याद रखो अस्पताल की मशीनें बंद हो सकती हैं, डॉक्टर की हिम्मत नहीं। इलाज खत्म हो सकता है, उम्मीद नहीं। क्योंकि जब तक डॉक्टर है, उम्मीद जिंदा है।

## जीवन धारा: जीवन का अर्थ संग्रह में नहीं, लय में है

मनुष्य ने अपने चारों ओर जितनी भी दीवारें खड़ी कर ली हों, उसकी आत्मा अब भी प्रकृति की संतान है। वह नगरों-महानगरों में रह सकता है, पत्थरों के बीच जीवन बिता सकता है, अपने जीवन को महत्वाकांक्षा और शोर से भर सकता है, पर उसके भीतर कहीं न कहीं एक मौन स्मृति भी जरूर जीवित रहती है। यह मौन स्मृति खुले आकाश की, बहती हुई हवा की या किसी नदी के किनारे की शांति की होती है। शायद यही कारण है कि जब जीवन बेहद मुश्किल और कृत्रिम लगने लगता है, तब मनुष्य अनायास ही प्रकृति की ओर लौटने को बेचैन हो उठता है, जैसे थका हुआ बच्चा अंतत: अपनी मां की गोद में लौट आता है।

प्रकृति संसार की सबसे प्राचीन व सबसे धैर्यवान शिक्षक है। वह उपदेश या आदेश नहीं देती, सिर्फ मौजूद रहती है। उसकी यही मौन उपस्थिति मनुष्य के भीतर ऐसा बदलाव ला सकती है, जो हजारों शब्द भी नहीं कर पाते। जब मैं किसी जंगल से गुजरती हूं, तो ऐसा लगता है, मानो पृथ्वी स्वयं धीरे-धीरे सांस ले रही हो। पेड़ों की शाखाएं हवा में जिस तरह से हिलती हैं, तब उनमें कोई उतावलापन नहीं होता। वे आकाश तक पहुंचने की आकांक्षा भी रखती हैं, पर साथ ही अपनी जड़ों को भी गहराई तक फैलाए रखती हैं।

मनुष्य भी यदि प्रकृति से कुछ सीखना चाहे, तो शायद यही सबसे पहली शिक्षा होगी कि ऊंचा उठने की इच्छा रखो, पर अपनी जड़ों को मत भूलो। शहरों में लोग एक-दूसरे के करीब तो रहते हैं, पर आत्माएं दूर होती जाती हैं। हर व्यक्ति स्वयं को सिद्ध करने में लगा रहता है। हर चेहरा किसी भूमिका का अभिनय करता हुआ नजर आता है। प्रकृति इन सब कृत्रिमताओं को धो देती है। प्रकृति में कोई पाखंड नहीं है। फूल इसलिए नहीं खिलते कि कोई उनकी प्रशंसा करे। केवल मनुष्य ही है, जो निरंतर अपने अस्तित्व का प्रदर्शन करता रहता है।

शायद इसी कारण प्रकृति के बीच मनुष्य का हृदय अधिक सरल हो जाता है। वहां उसे किसी मुखौटे की जरूरत नहीं रह जाती। प्रकृति सिखाती है कि जीवन का अर्थ संग्रह में नहीं, लय में है। ऋतुओं को देखिए। वसंत आकर चला जाता है। ग्रीष्म ऋतु के बाद वर्षा ठंडक देती है। पतझड़ पेड़ों को खाली कर देता है और शीत ऋतु सब कुछ स्थिर कर देती है। पर, प्रकृति कभी निराश नहीं होती। उसे पता है कि हर अंत में एक आरंभ छिपा है। मनुष्य यदि यह एक शिक्षा भी सीख ले, तो उसका आधा दुख समाप्त हो जाए। प्रकृति हमें प्रेम का अर्थ भी सिखाती है। प्रेम अधिकार नहीं है, जैसे सूर्य फूलों पर अधिकार नहीं जमाता। वह केवल उन्हें प्रकाश देता है। सच्चा प्रेम भी ऐसा ही होता है, वह दूसरे को खिलने देता है।

जब जीवन कठोर लगने लगे, जब संसार का शोर आपकी आत्मा को थका दे, तब कुछ समय प्रकृति के पास जाइए। पेड़ की छाया में बैठिए, मिट्टी की गंध महसूस कीजिए, हवा को अपने चेहरे पर बहने दीजिए। आप पाएंगे कि प्रकृति कोई उत्तर नहीं देती, फिर भी आपके भीतर के अनेक प्रश्न शांत हो जाते हैं।

# बुर्कीना ने फ्रांस से संबंध तोड़े

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बुर्कीना फासो ने फ्रांस से अपने दौत्य-संबंध तोड़ने का ऐलान किया है। कभी फ्रांस का उपनिवेश रहे बुर्कीना की इस कार्रवाई को बुर्कीना फासो की कठोर कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। इस बीच यह भी स्पष्ट हो गया है कि बुर्कीना में लोकतंत्र दूर की कौड़ी है और उसे लंबे समय तक फौजी जुंता के अधीन रहना होगा। गत वर्ष के युद्ध में पश्चिमी अफ्रीकी ब्लॉक से संबंध विच्छेद के उपरांत बुर्कीना ने पड़ोसी राष्ट्रों नाइजर और माली के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित कर मस्क्वा-बीजिंग धुरी की ओर पींगे बढ़ाई हैं और हाल में उसकी रूस पर सामरिक निर्भरता बढ़ी है। गौरतलब है कि बुर्कीना, माली और नाइजर पिछले करीब एक दशक इस्लामी उग्रपंथियों की घुसपैठ से जूझ रहे हैं और उनसे मुकाबले के लिये रूसी सहायता पर निर्भर हैं। फ्रांस से इन देशों के रिश्तों में तल्खी लगातार बढ़ती जा रही है और अब नव उपनिवेशवाद को बढ़ावा देने और बुर्कीना के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ आचरण का आरोप मढ़कर बुर्कीना ने जुमे के रोज़ फ्रांस से राजनयिक संबंध तोड़ लिये हैं।

बुर्कीना फासो छोटा सा अफ्रीकी राष्ट्र है विशालकाय अफ्रीका महाद्वीप में पश्चिमोत्तर में स्थित भू-आवेष्टित 2.47 लाख वर्ग किमी का लगभग 2.4 करोड़ की आबादी का देश। 65 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है और वह विश्व के चुनींदा निर्धनतम राष्ट्रों में शुमार है। फ्रांस की औपनिवेशक दासता से मुक्त हुये इसे लगभग कुछ दहाइयां ही बीतीहैं और प्रारंभिक लोकतंत्र के बाद वहां तख्तापलट का इतिहास रहा है। वहां आतंकवादी समूह सक्रिय हैं और आर्थिक विकास के पैमाने पर वह बहुत निचली पायदान पर है। यही बुर्कीना फासो इन दिनों विश्वव्यापी सुर्खियों में है और उसकी सुर्खियों में आने का सबब हैं वहां के 38 वर्षीय युवा राष्ट्रपति इब्राहीम ट्रओरे, जो लगभग चार वर्ष पूर्व कू-दे-ता से सत्ता में आये थे। अपनी रीति और नीति से टूओरे पैन-अफ्रीका या अफ्रीकी-अस्मिता के प्रतीक बनकर उभरे हैं। जाहिर है कि वह योरोप और अमेरिका के धनीमानी राष्ट्रों और निओ-इंपीरियालिस्ट ताकतों की आंखों में किरकिरी बनकर खड़क रहे हैं। बिलाशक अपने दुस्साहसिक फैसलों से उन्होंने अमेरिका और फ्रांस जैसे महाबली राष्ट्रों को चुनौती दे डाली है।

कभी अपर वोल्टा के नाम से ज्ञात बुर्कीना सन 1896 में फ्रांसीसी दासता के जुएं तले आया। सन 1958 में स्वशासन के हक के बाद इसे सन 1960 में आजादी मिली। इसके बाद का इतिहास अस्थिरता, अकाल, दुर्भिक्षों, तखतापलट और भ्रष्टाचार की गाथा है। सन 1966, 80, 83 और 87 तथा फिर सन 2022 में दो बार कूदे तो हुये। तख्तापलट के विफल प्रयास सन 1989, 2015 और 2023 में भी देखने को मिली। इनमें उल्लेखनीय रहा सन 1983 में सत्त में आये थॉमस संकारा का कार्यकाल। संकारा पहले राष्ट्राध्यक्ष थे, जिन्होंने बुर्किना फासो को सुधारों और विकास की राह पर बढ़ाया। सामाजिक-आर्थिक, सुधारों के तहत उन्होंने साक्षरता अभियान, भूमि पुर्नवितरण, 20 लाख से अधिक बच्चों का टीकाकरण, रेल और सड़क निर्माण, सबको शिक्षा जैसी योजनाएं लागू कीं। उन्होंने महिलाओं का खतना, बलात विवाह और बहु विवाह पर पाबंदी लगाई, मगर सन 1987 में ब्लेस कोम्पाओरे के नेतृत्व में सशस्त्र क्रांति में उनका तख्ता पलट कर उनकी हत्या कर दी गयी। ब्लेस की तानाशाही का 31 अक्टूबर 2014 को अंत हुआ, लेकिन उसके बाद बुर्किना अग्रवादी इस्लामी गुटों की घुसपैठ और हिंसा में डूब गया, जिसमें दस लाख से अधिक बुर्कीनाबे विस्थापित हुये।

फ्रेंचकाल में अपर वोल्टा के तौर पर ज्ञात राष्ट्र को बुर्किना फासो नाम थॉमस संकरा की देन है, जिसका शाब्दिक अर्थ होता है ईमानदारों की धरती। टूओरे की पहल पर फ्रेंच फौजियों को निष्कासित कर तीनों उक्त देशों के रंगरूटो को कानून और सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है। हालात का एहसास इससे हो सकता है कि अमेरिका समेत अनेक देशों ने सैलानियों से बुर्कीनो के अंदरूनी भागों की यात्रा नहीं करने को कहा है। देश में यातायात और संचार साधन अत्यल्प हैं। दक्षिण अफ्रीका, माली और घाना के बाद बुर्कीना अफ्रीका का चौथा प्रमुख स्वर्ण उत्पादक राष्ट्र है। सोना, कपास और तिलहन वहां की मुख्य निर्यात वस्तुएं हैं। इनका उत्पादन बढ़ाने के उपक्रमों में तेजी आई है। वैसे बुर्कीनों जवाहरतों का भी निर्यात करता है और वहां के पारंपरिक हस्तशिल्प की विश्व बाजार में अच्छी मांग व प्रतिष्ठा है। टूओरे अब इन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ही अधोसंरचना के विकास पर जोर दे रहे हैं।

इसमें शक नहीं संकारा टूओरे के आदर्श हैं और वह उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। संकारा ऐसी शख्सियत थे, जिसने मर्सिडीज की बेड़ा बेचकर सस्ती रेनोल्ट को चुना था। उन्होंने अफसरों के वेतन में कटौती कर उनके प्रथम श्रेणी हवाई टिकट और शोफरों के पर पाबंदी लगा दी थी। वह विदेशी वित्त के विरोधी थे और कहते थे कि ही हू फीड्स यू, कंट्रोल्स यू। अफ्रीका केचेक्वेरा कहे गये संकारा अफ्रीकी राष्ट्रों की एकजुटता चाहते थे, ताकि अफ्रीका का उद्धार हो और वह पश्चिम की गुलामी से मुक्त हो। उन्हें क्यूबा का मॉडेल पसंद था। उन्होंने राजधानी क्वागादोगू में फौज के प्रोवीजन स्टोर को जनसामान्य के लिए देश के पहले सुपर मार्केट में तब्दील कर दिया था। उनके दफ्तर में एयर कंडीशनर नहीं था और वह सिर्फ 450 डालर वेतन लेते थे। उनके पास सिर्फ एक कार, चार बाइक, तीन गिटार, एक रेफ्रीजरेटर और एक टूटा फ्रीजर था। वह कुशल गिटारवादक थे। बिना अंगरक्षकों के वह जॉगिंग पर निकल जाते थे। बुर्कीना का राष्ट्रगीत उन्होंने ही लिखा था। सार्वजनिक दफ्तरों में अपना चित्र नहीं लटकाने पर पूछे प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा था कि हमारे यहां सात मिलियन संकारा हैं।

आज पूरा बुर्कीना उन्हीं संकारा को याद कर रहा है। सन 2019 में राजधानी में उसी ठोर उनकी प्रतिमा लगी, जहां उनकी हत्या हुई थी। मुखाकृति नहीं मिलने से अगले वर्ष नयी प्रतिमा स्थापित की गयी। टूओरे के सत्ता में आने के बाद सन 2023 में उन्हें 'हीरो ऑफ द नेशन' घोषित किया गया। अक्टूबर सन 2023 में ही राजधानी के बुल्वार चार्ल्स द गाल का नाम बदलकर बुल्वार कैप्टेन थॉमस संकारा कर दिया गया। इस बीच क्यूबा ने संकारा को अपने सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ जोसे मार्टी से विभूषित किया।

उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात की बुर्कीना में सौ मस्जिदें बनाने की पेशकश यह कहकर ठुकरा दी है कि हमें मस्जिदों की नहीं, वरन स्कूल-कालेजों, अस्पतालों और कल कारखानों की जरूरत है। इसमें शक नहीं कि युवा टूओरे संकारा के जूतों में पांब डाल चुके हैं।

घटनाक्रम से स्पष्ट है कि बुर्कीना का ताजा कदम फ्रांस, अमेरिका और योरोपीय देशों को पसन्द नहीं आयेगा। फ्रेंच सैनिक टुकड़ियों को इलाके से पहले ही निष्कासित किया जा चुका है। यह भी साफ है कि बुर्कीना में लोकतंत्र की बहाली के कोई आसार नहीं हैं।

टओरे ने दो टूक कह दिया है कि लोकतंत्र हमारे लिये नहीं है। डेमोक्रैसी इज नॉट फार अस। लीबिया का उदाहरण देते हुये उन्होंने कहा कि अफ्रीकी राष्ट्रों में लोकतंत्र की स्थापना का अर्थ है रक्तपात। हमारा रास्ता अलग है और हमें सुदृढ़ आर्थिकी, अधिक मेहनत और मजबूत फौज की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि जुंता ने सन 2024 में लोकतंत्र की बहाली का वायदा किया था, किंतु जनवरी, सन 24 से सभी राजनीतिक दलों को भंग कर उसने आगामी पांच वर्षों के लिये सत्ता पर फौज के काबिज रहने का ऐलान कर दिया। इस बीच पश्चिमी सूत्रों ने बुर्कीना में जुंता काल में करीब 1800 निर्दोष नागरिकों के मारे जाने का आरोप लगाया है, जिसका जुंता ने खंडन किया है।

### सीसी रोड बनने से बारिश के दौरान जलभराव की समस्या समाप्त होगी

**ग्वालियर।** ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 66 में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। ग्राम पिपरौली में 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। इस परियोजना के पूरा होने से ग्रामीणों को बेहतर आवागमन के साथ जल निकासी की समस्या से भी राहत मिलने की उम्मीद है। भूमिपूजन कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 66 की पार्षद ऊषा गिर्राज सिंह गुर्जर ने कहा कि क्षेत्र के विकास और नागरिक सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि लंबे समय से ग्राम पिपरौली में बेहतर सड़क और नाली निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसे अब पूरा किया जा रहा है। इस मौके पर जनसेवक गिर्राज गुर्जर ने कहा कि सीसी रोड बनने से बारिश के दौरान कीचड़ और जलभराव की समस्या काफी हद तक समाप्त होगी, जबकि नाली निर्माण से जल निकासी की व्यवस्था भी सुचारु होगी। इससे ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और गांव का समग्र विकास सुनिश्चित होगा।

### सीए डे पर पूर्व अध्यक्षों और सचिवों का हुआ सम्मान

**ग्वालियर।** द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की ग्वालियर ब्रांच द्वारा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे के अवसर पर गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय रहे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वित्तीय पारदर्शिता, कर अनुपालन, सुशासन एवं डिजिटल भारत के निर्माण में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। समारोह के दौरान ग्वालियर ब्रांच के स्थापना काल से अब तक के सभी पूर्व अध्यक्षों एवं पूर्व सचिवों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। वरिष्ठ सदस्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स से नैतिक मूल्यों, सतत अध्ययन एवं नई तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। इस मौके पर सीए निधि अग्रवाल, सीए पंकज शर्मा, विवेक कुमार जैन, गगन जैन, नगेन्द्र सिंह कुशवाह आदि उपस्थित रहे।

### महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्राओं का दीक्षारंभ समारोह आयोजित

**ग्वालियर।** विजयाराजे शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुरार में बुधवार को नवप्रवेशित छात्राओं के लिए दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. ज्योति उपाध्याय एवं सरला देवी द्वारा नवागत छात्राओं को रोली-चंदन का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत करने के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. श्रीवास्तव ने छात्राओं को संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुशासन, उपलब्ध सुविधाओं और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान डॉ. मंजू सिंह वीर, डॉ. दीपा वर्मा, डॉ. मनीषा देशपांडे, डॉ. राजवीर सिंह किरार, डॉ. कंचन सिंह नगेल, डॉ. रूपेश पल्लव एवं डॉ. अवधेश निरंजन आदि मौजूद थे।

### जन सहयोग समिति ने किया खिचड़ी और शरबत वितरण

**ग्वालियर।** जन सहयोग जन कल्याण बहुउद्देशीय समिति की सदस्य प्रीति बिंदल ने अपनी शादी की सालगिरह को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए बुधवार को सिविल हॉस्पिटल हजीरा में मरीजों और उनके परिजनों के लिए खिचड़ी एवं शरबत वितरण किया। कार्यक्रम में डॉ. रश्मि मिश्रा, अनीता, खाबू, ऊषा, बरखा, रूबी, गीता सूर्यवंशी, महाराज सिंह, दर्शन मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

### 11 महिला चिकित्सकों का हुआ सम्मान

**ग्वालियर।** राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर सामाजिक संस्था 'बेटी है तो कल है' द्वारा शासकीय सिविल अस्पताल, बिरला नगर में कार्यरत 11 महिला चिकित्सकों को 'चिकित्सक रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया और विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. जगदीश मसूरिया, योगेंद्र सिंह तोमर, डॉ. दीपाली माथुर, बिरजू शिवहरे उपस्थित रहे। अध्यक्षता डॉ. वंदना भूपेंद्र प्रेमी ने की। संचालन भूपेंद्र प्रेमी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. सुप्रिया, डॉ. नविता आर्य, डॉ. मानसी तिवारी, डॉ. शिल्पा मित्तल, डॉ. साधना शर्मा, डॉ. मेघा, डॉ. रजनी भदौरिया, डॉ. आयुषी वर्मा, डॉ. प्रिया, डॉ. संध्या बांगर सहित महिला चिकित्सकों को 'चिकित्सक रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया।

### बावड़ियां हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं

**ग्वालियर।** मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशानुसार संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उटीला सेक्टर में मंगलवार को बाबड़ी उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सेकंड बटालियन स्थित प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई, पूजन एवं जल संरक्षण को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उटीला सेक्टर में नवांकुर संस्था 'सर्वे भवन्तु सुखिन समिति', नगर विकास प्रस्फुटन समिति गुढ़ा एवं हुजरात पुल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष राजकुमार प्रजापति ने कहा कि बावड़ियां हमारी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर हैं। ब्लॉक समन्वयक प्रीति बाजपेई ने कहा कि जल स्त्रोतों का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस मौके पर कल्पना तिवारी, अजय कुशवाहा, ममता चौहान, आकाश प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

# ग्रीष्मकालीन अवकाश खत्म, लौटे सभी चिकित्सक

**ओपीडी में उमड़ी मरीजों की भीड़, टले हुए जटिल ऑपरेशन भी अब होंगे शुरू**

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय (जीआरएमसी) एवं इससे संबद्ध जयारोग्य चिकित्सालय समूह में ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि समाप्त होने के साथ ही सभी वरिष्ठ चिकित्सक वापस ड्यूटी पर लौट आए हैं। मई और जून माह के दौरान चरणबद्ध तरीके से अवकाश पर रहे चिकित्सा शिक्षकों की वापसी के बाद बुधवार से अस्पताल की व्यवस्था पूरी क्षमता के साथ संचालित होने लगी। इसका सीधा लाभ मरीजों को मिला, जिन्हें अब अपने नियमित चिकित्सकों से परामर्श लेने के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार चिकित्सा महाविद्यालय के चिकित्सकों को ग्रीष्मकालीन अवकाश दिया गया है। इस दौरान किसी भी विभाग में 50 प्रतिशत से अधिक चिकित्सक को एक साथ अवकाश पर नहीं भेजा गया, ताकि चिकित्सा सेवाएं प्रभावित न हों। हालांकि वरिष्ठ चिकित्सकों की सीमित उपलब्धता के कारण कई विभागों में मरीजों को अपने नियमित चिकित्सक नहीं मिल पा रहे थे।

अवकाश अवधि समाप्त होने के बाद बुधवार को सभी विभागों में वरिष्ठ चिकित्सकों की मौजूदगी रही। इसके चलते ओपीडी में सुबह से ही मरीजों की भीड़ देखने को मिली। लंबे समय से अपने चिकित्सक के लौटने का इंतजार कर रहे मरीज बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचे। कई विभागों में परामर्श कक्षों के बाहर लंबी कतारें लगी रहीं। वरिष्ठ चिकित्सकों की वापसी से उन मरीजों को भी राहत मिली है जिनके जटिल ऑपरेशन और विशेष उपचार अस्थायी रूप से स्थगित कर दिए गए थे। उल्लेखनीय है कि कई गंभीर मामलों में सर्जरी और अन्य प्रक्रियाएं वरिष्ठ विशेषज्ञों की उपलब्धता तक टाली गई थीं, जिन्हें अब प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

**अब शुरू होंगे रुके हुए जटिल ऑपरेशन:** अवकाश अवधि के दौरान कई जटिल सर्जरी और विशेष चिकित्सा प्रक्रियाएं वरिष्ठ विशेषज्ञों की अनुपलब्धता के कारण आगे बढ़ा दी गई थीं। सभी वरिष्ठ चिकित्सकों की वापसी के बाद अब ऐसे मामलों का निपटारा तेजी से किया जाएगा। इससे गंभीर मरीजों को राहत मिलने की उम्मीद है।

**मेडिसिन में पहुंचे सबसे अधिक मरीज**

ओपीडी में कुल 3244 मरीजों ने चिकित्सकीय परामर्श लिया। मेडिसिन विभाग में सबसे अधिक 533 मरीज पहुंचे। इसके अलावा न्यूरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी विभाग की ओपीडी में 341, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में 337 तथा चर्म एवं कुष्ठ रोग विभाग में 325 मरीजों का परीक्षण किया गया। ऑर्थोपेडिक्स, सर्जरी, पीडियाट्रिक्स और कार्डियोलॉजी विभागों में भी सामान्य दिनों की तुलना में अधिक मरीज पहुंचे।

### रिश्तों में कलह के कारण 24 घंटे में हत्या की दो वारदातें

# महिला की गला घोंटकर हत्या, पति पर संदेह पत्नी के प्रेमी के भाई की चाकू घोंपकर हत्या

## पति रात को साथ रुका, फिर गला घोंटा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

रिश्तों में कलह के कारण शहर में पिछले 24 घंटे में हत्या की दो वारदातों को अंजाम दिया गया। पहली घटना उपनगर ग्वालियर में हुई, यहां पर महिला की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। हत्या का संदेह महिला के पति पर है क्योंकि उसे ही महिला के साथ आखिरी बार देखा गया था। फिलहाल महिला उसके साथ नहीं रह रही थी। वहीं दूसरी घटना सिरौल थानाक्षेत्र की है, यहां पर एक युवक की हत्या चाकू घोंपकर कर दी गई। हत्या का आरोप युवक की प्रेमिका के पति पर लगाया जा रहा है। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है।

**रात को पत्नी के साथ रहा, गला घोंटकर हत्या की और कुंडी लगाकर फरार :**

पति से अलग रही महिला की पति ने दिनदहाड़े गला घोंटकर हत्या कर दी और कमरे की बाहर से कुंडी लगाकर फरार हो गया। मृतका विवाद के चलते अपने पति से अलग रह रही थी और ई-रिक्शा चलाकर दो बच्चों का पालन पोषण कर रही थी। हत्या की वजह चरित्र संदेह बताया जा रहा है। हत्या की सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

हजीरा थाना क्षेत्र स्थित आरा मील में आरती धाकड़ (33) किराए के मकान में रहती थी और पड़ोसी उषा तोमर का ई-रिक्शा चलाती थी। आरती दो तीन माह से अपने पति धर्मेन्द्र से विवाद के चलते अलग रह रही थी, उसके साथ धर्मेन्द्र की बुआ का लड़का संजू रह रहा था। बुधवार दोपहर के समय मकान मालिक घर पहुंच और बाहर से उसने आरती के कमरे की कुंडी लगी देखी। मकान मालिक ने कुंडी खोलकर कमरे में देखा तो आरती का शव जमीन पर पड़ा हुआ था। इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस को प्रारंभिक पड़ताल में पता चला है कि महिला का धर्मेंद्र दोहरे को पति मानकर उसके साथ रहती थी। तीन माह से यह अलग रह रही थी, बीती रात को ही धर्मेंद्र किराए के कमरे पर आरती से मिलने पहुंचा था और वहीं रुक गया था और संजू भी मौजूद था। रात को आरती और धर्मेन्द्र से झगड़ा भी हुआ था। महिला की मौत की सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को विच्छेदन गृह पहुंचाया। हजीरा थाना प्रभारी जितेन्द्र तोमर का कहना है कि फोरेंसिक विशेषज्ञ को मौके पर बुलाया था उन्होंने स्पष्ट मौत के कारणों के बारे में नहीं बताया है। चरित्र संदेह में आरती की हत्या करना बताया जा रहा है। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर लिया है। जांच में जो भी आएगा उसी आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। धर्मेंद्र आरती का दूसरा पति था। इससे पहले आरती की शादी अतर सिंह धाकड़ के साथ हुई थी। तीन वर्ष पहले आरती ने उसे छोड़ दिया था। आरती मूलतः पहाड़गए के ग्राम बूढ़-बढ़ेरा की रहने वाली थी।

**इनका कहना है**

आरती अपने पति को छोड़कर किसी दूसरे के साथ रह रही थी। उसकी हत्या किन परिस्थितियों में हुई जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पता लग सकेगा। पुलिस ने शव विच्छेदन गृह पहुंचा दिया है।

**नागेन्द्रसिंह सिकरवार**
नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा

## पेट में कांच की बोतल और चाकू घोंपकर की हत्या

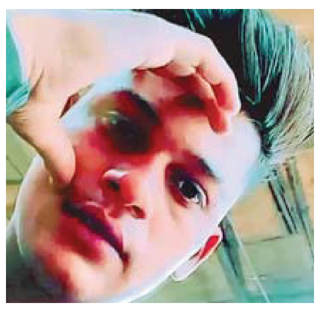

**हत्या के बाद विकास को लगाया फोन**

सूरज और गौरव ने दिनेश को पकड़ने के बाद उसके भाई विकास को फोन लगाया और कहा कि मनीषा से बात करा देना। हमने तेरे भाई दिनेश को पकड़ लिया और उसकी मारपीट कर रहे हैं। विकास को फोन पर बात करने के दौरान ही दोनों भाईयों ने दिनेश को मौत के घाट उतारा और फिर भाग गए।

सिरौल थाना क्षेत्र में दो भाईयों ने मिलकर एक युवक की हत्या कांच की बोतल और चाकू घोंपकर हत्या कर दी। हत्या के आरोपी एक भाई की पत्नी को मृतक का भाई अपने साथ ले गया था इस पर ही दोनों के बीच रंजिश चल रही थी। इसको लेकर ही हत्या की गई है।

पुलिस के अनुसार नारायण विहार कॉलोनी निवासी दिनेश पुत्र प्रमोद जाटव 21 वर्ष इंदौर में काम करता था और इस समय अपने घर आया हुआ था। बुधवार दोपहर के समय दिनेश का शव सिरौल थाना क्षेत्र स्थित मेहरा गांव डीबी सिटी मुक्तिधाम के पास नाले में पड़ा मिला। बताया गया है कि दिनेश का बड़ा भाई विकास उर्फ विक्कू जनवरी माह में सूरज की पत्नी मनीषा को अपने साथ भगाकर ले गया था। तभी से सूरज और उसका परिवार विकास से दुश्मनी रखा हुआ था। बुधवार को दिनेश मेहरा गांव की ओर जा रहा था तभी उस पर सूरज की नजर पड़ गई। सूरज और उसका भाई गौरव जाटव दिनेश को मोटर साइकिल से अपने साथ घटनास्थल पर लेकर पहुंचे और पुरानी रंजिश के चलते पहले उसकी जमकर मारपीट की। दोनों भाईयों ने दिनेश के पेट में चाकू और कांच की बोतलें घोंपकर उसे मौत के घाट उतार दिया। मनीषा को पुलिस पहले ही बरामद कर चुकी थी, इसके बाद भी आरोपी रंजिश रख रहे थे।

**इनका कहना है**

एक युवक की दो भाईयों ने मिलकर हत्या कर दी है। एक आरोपित की पत्नी को मृतक का भाई अपने साथ ले गया था। संभवत उसी टसन के चलते प्रेमी के भाई की हत्या करना प्रतीत हो रहा है। आरोपितों की तलाश की जा रही है।

**शिवेशसिंह बघेल**
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर पूर्व

### मंत्री कुशवाह ने सेवा भावना की सराहना की

**ग्वालियर।** मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने बुधवार को सिंधी कॉलोनी स्थित शासकीय हाई सेकेंडरी पागनवीसी विद्यालय में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में सहभागिता कर चिकित्सकों का सम्मान किया। उन्होंने जनसेवा के प्रति चिकित्सकों की समर्पित भूमिका की सराहना की। मंत्री श्री कुशवाह ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि दिनेश जैन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित स्वास्थ्य शिविर की प्रशंसा करते हुए कहा कि सामाजिक अवसरों को जनकल्याण से जोड़ने की पहल अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म है और ऐसे शिविर आमजन को समय पर उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर अमर कुटे, गोपाल जाटव, प्राचार्य संजय निगम सहित अन्य मौजूद रहे।

### किसानों के घर पहुंचकर कराया जा रहा सत्यापन

**ग्वालियर।** खरीफ सीजन में किसानों को समय पर और पारदर्शी तरीके से रासायनिक उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए जिले में ई-टोकन व्यवस्था के माध्यम से खाद का वितरण किया जा रहा है। जिलाधीश रुचिका चौहान के निर्देश पर वितरण के बाद किसानों के घर-घर पहुंचकर खाद का सत्यापन भी कराया जा रहा है, ताकि उर्वरक वास्तविक और पात्र किसानों तक ही पहुंचे। कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने ग्राम गढ़ी, मुगलपुरा, टिहोली और हबीपुरा सहित कई गांवों में पहुंचकर उन किसानों के यहां जांच की, जिन्होंने अधिक मात्रा में खाद का उठाव किया था। जांच में किसानों के पास खाद उपलब्ध मिला। किसानों ने बताया कि उन्होंने खेती की तैयारी को ध्यान में रखते हुए पहले ही खाद प्राप्त कर ली है। उपसंचालक कृषि विकास एवं किसान कल्याण भानु प्रताप शर्मा के अनुसार जिले में अब तक 54 हजार 370 ई-टोकन जारी किए जा चुके हैं। इनके माध्यम से 34 हजार 993 किसानों को 17 हजार 903 मीट्रिक टन उर्वरक वितरित किया गया है। वर्तमान में जिले में 20 हजार 921 मीट्रिक टन उर्वरक का भंडार उपलब्ध है।

# स्किल इंडिया के तहत ब्यूटीशियन प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

**महिलाओं को मिलेगा स्वरोजगार का अवसर**

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कस्तूरबा गांधी विश्रांति भवन न्यास में बुधवार को स्किल इंडिया मिशन के अंतर्गत ब्यूटीशियन प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय रेडक्रास सोसायटी के सचिव नवल किशोर शुक्ला ने की, जबकि मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता साकेत सिंह राठौड़ रहीं। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष डॉ. करुणा सक्सेना, वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती अंजली बत्रा, न्यासी डॉ. श्रीप्रकाश लोहिया एवं श्रीमती मीना सचान शामिल रहीं।

इस अवसर पर न्यास के प्रबंध न्यासी जगदीश प्रसाद शर्मा ने संस्था द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक एवं सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि स्किल इंडिया के तहत प्रारंभ किया गया यह प्रशिक्षण केंद्र महिलाओं और युवतियों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में नवल किशोर शुक्ला ने कस्तूरबा गांधी विश्रांति भवन न्यास की इस पहल की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास आज के समय की आवश्यकता है और ऐसे प्रशिक्षण केंद्र समाज में स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराते हैं।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य यशवंत इंदापुरकर, गिरिराज गोयल, सुरेश मित्तल, डॉ. जयश्री चौहान, श्रीमती रश्मि त्रिपाठी, श्रीमती गायत्री चौहान, तृप्ति भटनागर, शालिनी कमठान, प्रेमलता तोमर, नीलू मिश्रा, प्रियंका तांबे, छुट्टो कुशवाहा, दिनेश कुमार तिवारी (प्रबंधक, कस्तूरबा गांधी विश्रांति भवन न्यास), अशोक कुमार उपाध्याय, कविंद्र सिंह कुशवाहा (प्रबंधक, मातृछाया), अभिषेक कौरव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती मीना सचान ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# मरीजों के भोजन पर संकट, सिविल अस्पताल की रसोई में एलपीजी गैस की कमी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

हजीरा सिविल अस्पताल की रसोई में एलपीजी गैस सिलेंडरों की कमी के कारण मरीजों के भोजन पर संकट मंडराने लगे हैं। रसोई संचालन से जुड़े अधिकारियों ने इस समस्या से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दिया है और जल्द समाधान की मांग की है।जानकारी के अनुसार हजीरा सिविल अस्पताल परिसर में संचालित रसोई से हजीरा सिविल अस्पताल और बिरलानगर सिविल अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए प्रतिदिन भोजन तैयार किया जाता है। दोनों अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या को देखते हुए प्रतिमाह लगभग चार हजार मरीजों के लिए भोजन की व्यवस्था इसी रसोई से की जाती है। रसोई प्रभारी के अनुसार भोजन तैयार करने के लिए प्रतिमाह कम से कम चार एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यकता होती है, लेकिन वर्तमान में गैस एजेंसी द्वारा केवल दो सिलेंडर ही उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे भोजन व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। ऐसे में यदि समय पर पर्याप्त गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराए गए तो मरीजों के लिए भोजन तैयार करने में परेशानी आ सकती है। रसोई प्रभारी ने इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित रूप से जानकारी देकर अतिरिक्त गैस सिलेंडरों की व्यवस्था कराने का अनुरोध किया है।

# राजस्व अभिलेखों की त्रुटियां सुधारने के निर्देश, जिलाधीश ने तय की समय-सीमा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिलाधीश रुचिका चौहान ने जिले के राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राजस्व अभिलेखों में चिन्हित सभी त्रुटियों का नियमानुसार, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से सुधार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने लंबित राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण, राजस्व वसूली में लक्ष्य प्राप्ति तथा आबादी भूमि से वंचित ग्रामों का सर्वे कर नई आबादी भूमि घोषित करने की कार्रवाई प्राथमिकता से करने को कहा। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में बताया गया कि जिले के 276 ग्रामों में चलाए गए विशेष सर्वेक्षण अभियान के दौरान लगभग 4 हजार खसरों में गलत प्रविष्टियां, नाम संबंधी त्रुटियां एवं अन्य राजस्व विसंगतियां सामने आई हैं। इनका सुधार संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के नेतृत्व में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार शुरू कर दिया गया है। जिलाधीश श्रीमती चौहान ने कहा कि राजस्व अभिलेखों को अद्यतन, त्रुटिरहित और विवादमुक्त बनाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन से जुड़े राजस्व मामलों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# टीडीएस-चार योजना को आगे बढ़ाने हुई चर्चा

**ग्वालियर।** ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन भदौरिया की अध्यक्षता में प्राधिकरण की प्रस्तावित नवीन आवासीय योजना टीडीएस-4 के संबंध में कंसल्टेंट एवं प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में टीडीएस-4 की डीपीआर के संबंध में शाहरूख एवं योजना से संबंधित अन्य विषयों पर श्रीमती रेविका जादौन द्वारा विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस दौरान योजना के विभिन्न तकनीकी एवं विकासात्मक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसे अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने हेतु आवश्यक सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया। श्री भदौरिया ने अधिकारियों एवं कंसल्टेंट को निर्देशित किया कि प्राप्त सुझावों का समुचित परीक्षण करते हुए आवश्यक संशोधन शीघ्र पूर्ण किए जाएं तथा योजना के क्रियान्वयन की प्रक्रिया में तेजी लाकर इसे समयबद्ध रूप से प्रारंभ करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में ग्वालियर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष वेदप्रकाश शिवहरे सहित प्राधिकरण के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

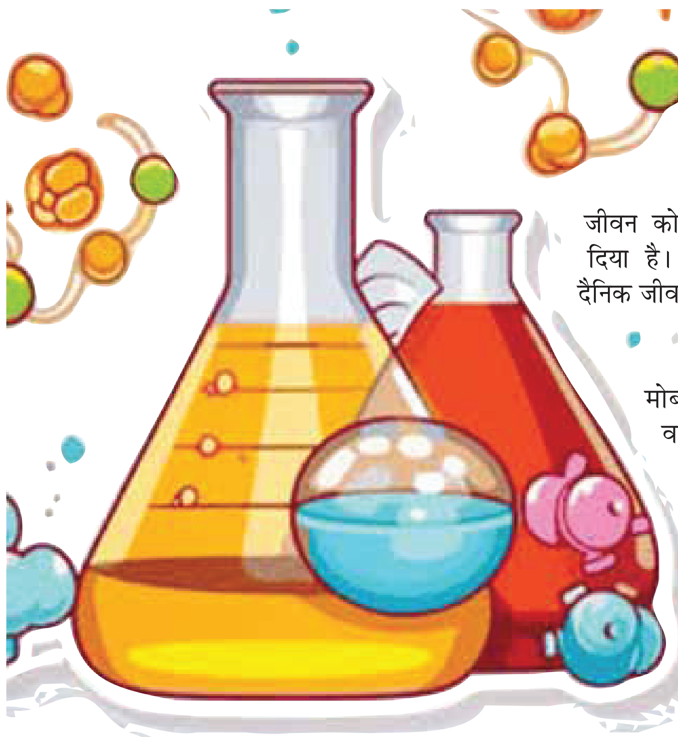

# विज्ञानः तर्क, प्रयोग और विकास का आधार

विज्ञान ने मानव जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। आज हम अपने दैनिक जीवन में जिन वस्तुओं का उपयोग करते हैं, मोबाइल, कंप्यूटर, वाहन, दवाइयाँ और बिजली, ये सभी विज्ञान की देन हैं। विज्ञान ने न केवल जीवन को आसान बनाया है, बल्कि सोचने और समझने का एक नया दृष्टिकोण भी दिया है।

***विज्ञान क्या है-*** विज्ञान शब्द संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है वि अर्थात विशेष और ज्ञान या जानकारी अर्थात विशेष ज्ञान। इस प्रकार विज्ञान वह व्यवस्थित अध्ययन है जिसमें किसी वस्तु या घटना को अवलोकन, प्रयोग और तर्क के माध्यम से समझा जाता है।

## विज्ञान के मुख्य उद्देश्य

विज्ञान का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक घटनाओं को समझना और उनके नियमों की खोज करना है। इसके प्रमुख उद्देश्य हैं जैसे प्राकृतिक घटनाओं की व्याख्या करना, वैज्ञानिक नियमों और सिद्धांतों का निर्माण करना, मानव ज्ञान का विस्तार करना, वैज्ञानिक विधि आदि।

## विज्ञान एक निश्चित प्रक्रिया

विज्ञान एक निश्चित प्रक्रिया के अनुसार कार्य करता है, जिसे वैज्ञानिक विधि कहते हैं जैसे निरीक्षण, किसी घटना को ध्यान से देखना। समस्या पहचान, प्रश्न या समस्या तय करना। परिकल्पना, संभावित उत्तर का अनुमान लगानां प्रयोग, परिकल्पना की जाँच करना। आँकड़ा संग्रह, परिणाम एकत्र करना। विश्लेषण, डेटा का अध्ययन करना। निष्कर्ष यानि अंतिम परिणाम निकालना और सत्यापन अर्थात निष्कर्ष की पुष्टि करना।

## विज्ञान की प्रमुख विशेषताएँ

विज्ञान मानव जीवन को सरल, सुरक्षित और उन्नत बनाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। यह हमें सोचने, समझने और तर्क के आधार पर निर्णय लेने की शक्ति देता है। इसलिए विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। विज्ञान तथ्य और प्रमाण पर आधारित होता है। यह व्यवस्थित, तर्कसंगत और प्रयोगशील ज्ञान है। इसके सिद्धांत सार्वभौमिक होते हैं और नए प्रमाण मिलने पर इनमें परिवर्तन भी संभव है।

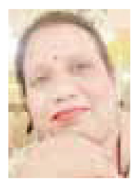

**सुप्रिया गुप्ता**
**शिक्षक**
**हितकारिणी उमा शाला, गोविंदगंज**
**दमोहनाका, जबलपुर**

# संतुलित दिनचर्याः वैज्ञानिक दृष्टि से स्वस्थ और सफल बचपन की कुंजी

## संतुलित दिनचर्याः वैज्ञानिक दृष्टि से स्वस्थ और सफल बचपन की कुंजी

आज के समय में बच्चों का जीवन मोबाइल, टीवी और अनियमित खान-पान से प्रभावित हो रहा है। विज्ञान के अनुसार, बचपन में बनी आदतें मस्तिष्क, शरीर और व्यवहार पर गहरा प्रभाव डालती हैं। इसलिए संतुलित दिनचर्या केवल अनुशासन नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक आवश्यकता है, जो बच्चे के संपूर्ण विकास को सुनिश्चित करती है।

### नींद और मस्तिष्क का विकास

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि 6 से 14 वर्ष के बच्चों को प्रतिदिन 9 से 11 घंटे की नींद आवश्यक होती है। नींद के दौरान मस्तिष्क में न्यूरॉन कनेक्शन मजबूत होते हैं और ग्रोथ हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जिससे शारीरिक वृद्धि होती है। देर रात तक जागने से एकाग्रता कम होती है और याद रखने की क्षमता प्रभावित होती है।

### पोषण और शरीर की ऊर्जा

समय पर भोजन करना शरीर के मेटाबॉलिज्म को संतुलित रखता है। सुबह का नाश्ता न करने से ग्लूकोज स्तर गिरता है, जिससे थकान और ध्यान की कमी होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से संतुलित आहार मोटापा, डायबिटीज और पाचन संबंधी रोगों से बचाव करता है।

### शारीरिक गतिविधि और मस्तिष्क स्वास्थ्य

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार बच्चों को प्रतिदिन कम से कम 60 मिनट शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। खेलकूद से शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन बढ़ता है, जो तनाव कम करता है और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। इससे आंखों की रोशनी और हड्डियों की मजबूती भी बढ़ती है।

### सीखने की क्षमता और स्मृति

वैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि सुबह के समय मस्तिष्क सबसे अधिक सक्रिय होता है। इस समय पढ़ाई करने से जानकारी लंबे समय तक याद रहती है। अनियमित दिनचर्या से ब्रेन फॉग और ध्यान की कमी बढ़ती है, जिससे शैक्षणिक प्रदर्शन प्रभावित होता है।

### व्यवहार और मानसिक संतुलन

नियमित दिनचर्या बच्चों के डोपामिन सिस्टम को संतुलित रखती है, जिससे वे शांत और अनुशासित रहते हैं। अनियमित जीवन से चिड़चिड़ापन, गुस्सा और मोबाइल की लत बढ़ती है। समय का सही प्रबंधन आत्मविश्वास और जिम्मेदारी विकसित करता है। वैज्ञानिक दृष्टि से संतुलित दिनचर्या बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास का आधार है। यह न केवल स्वास्थ्य सुधारती है, बल्कि सीखने की क्षमता और व्यवहार को भी बेहतर बनाती है। इसलिए यदि हम बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहते हैं, तो हमें आज से ही उनकी दिनचर्या को वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थित करना होगा।

**पूजा त्रिपाठी**
**शिक्षक**
**बाबू मनमोहनदास हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी दीक्षितपुरा, जबलपुर**

# हरे पत्तों की अद्भुत फैक्ट्री

## जानिए पौधे अपना भोजन कैसे बनाते हैं?

कल्पना कीजिए, यदि मनुष्यों को अपना भोजन खुद बनाने की शक्ति मिल जाए, तो न खेती की जरूरत होगी और न ही रसोई की। प्रकृति ने यह अनोखी क्षमता केवल पौधों को दी है। वे बिना किसी रसोइए, गैस या मशीन के अपना भोजन स्वयं तैयार करते हैं। यही कारण है कि पौधों को पृथ्वी का प्राकृतिक भोजन निर्माता कहा जाता है। पौधों द्वारा भोजन बनाने की इस अद्भुत प्रक्रिया को प्रकाश संश्लेषण कहते हैं। यही प्रक्रिया पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अधिक से अधिक पेड़ लगाए, उनकी रक्षा करे और प्रकृति के इस अनमोल उपहार को सुरक्षित रखे। याद रखें, हर हरा पौधा पृथ्वी के भविष्य की सांस है।

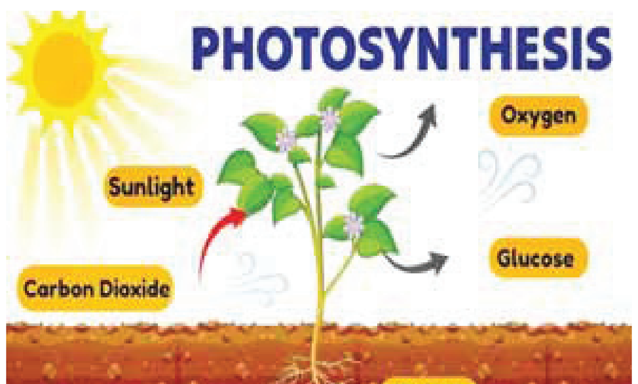


## क्या है प्रकाश संश्लेषण ?

प्रकाश संश्लेषण वह जैविक प्रक्रिया है, जिसमें पौधे सूर्य के प्रकाश, पानी और वायुमंडल में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड की सहायता से अपना भोजन (ग्लूकोज़) बनाते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान पौधे वातावरण में ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जो मनुष्य और अन्य जीवों के जीवन के लिए अनिवार्य है।

## पौधों को भोजन बनाने क्या चाहिए?

सबसे पहले पौधों को सूर्य का प्रकाश चाहिए, जो उन्हें ऊर्जा प्रदान करता है। इसके बाद जड़ें मिट्टी से पानी और आवश्यक खनिजों को अवशोषित करती हैं। पत्तियों पर मौजूद सूक्ष्म छिद्र, जिन्हें रंध्र कहा जाता है, उनके माध्यम से पौधे कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण करते हैं। पत्तियों में पाया जाने वाला हरा वर्णक क्लोरोफिल सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करके भोजन बनाने की प्रक्रिया को संभव बनाता है।

## भोजन बनने की पूरी प्रक्रिया

जब सूर्य की किरणें पत्तियों पर पड़ती हैं, तो क्लोरोफिल प्रकाश ऊर्जा को ग्रहण करता है। यह ऊर्जा पानी और कार्बन डाइऑक्साइड को मिलाकर ग्लूकोज़ यानी शर्करा बनाती है। यही ग्लूकोज़ पौधों के विकास, फूल, फल और बीज बनने में काम आता है। यदि भोजन अधिक बन जाए, तो पौधे उसे स्टार्च के रूप में जड़ों, तनों और फलों में संग्रहित कर लेते हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके।

## प्रकाश संश्लेषण क्यों है इतना महत्वपूर्ण?

यदि यह प्रक्रिया न होती, तो पृथ्वी पर जीवन की कल्पना करना भी कठिन होता। पौधे भोजन श्रृंखला की पहली कड़ी हैं, इसलिए सभी जीव प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उन्हीं पर निर्भर हैं। यही प्रक्रिया वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को नियंत्रित करती है और जीवनदायिनी ऑक्सीजन उपलब्ध कराती है। जलवायु संतुलन बनाए रखने में भी पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

**विज्ञान के प्रयोग**

# नमक से क्रिस्टल कैसे उगाएँ?

क्रिस्टल प्रकृति की सबसे सुंदर संरचनाओं में से एक हैं। नमक, चीनी, बर्फ और कई खनिज प्राकृतिक रूप से क्रिस्टल के रूप में पाए जाते हैं। यदि आप यह जानना चाहते हैं कि क्रिस्टल कैसे बनते हैं, तो घर पर नमक की सहायता से एक आसान और सुरक्षित प्रयोग कर सकते हैं। इस प्रयोग के माध्यम से आप क्रिस्टलीकरण की प्रक्रिया को आसानी से समझ सकते हैं।

## क्रिस्टलीकरण क्या है?

क्रिस्टलीकरण वह प्रक्रिया है, जिसमें किसी घुले हुए पदार्थ के कण धीरे-धीरे एक निश्चित क्रम में व्यवस्थित होकर ठोस और चमकदार क्रिस्टल का रूप ले लेते हैं। जब पानी में घुला नमक धीरे-धीरे वाष्पित होता है, तो नमक के कण आपस में जुड़कर छोटे-छोटे क्रिस्टल बना लेते हैं।

## आवश्यक सामग्री

- साफ़ काँच का गिलास या जार
- लगभग 200 से 250 मिलीलीटर गर्म पानी
- साधारण खाने का नमक
- एक सूती धागा
- एक पेंसिल या लकड़ी की पतली छड़ी
- एक चम्मच

## प्रयोग करने की विधि

सबसे पहले गर्म पानी को काँच के जार में डालें। अब उसमें थोड़ा-थोड़ा करके नमक मिलाते जाएँ और चम्मच से चलाते रहें। नमक तब तक मिलाएँ, जब तक वह घुलना बंद न कर दे। इसे संतृप्त घोल कहते हैं। अब धागे का एक सिरा पेंसिल से बाँध दें और दूसरा सिरा घोल में इस तरह लटकाएँ कि वह जार के बीच में रहे और तली को न छुए। पेंसिल को जार के ऊपर रख दें ताकि धागा स्थिर रहे। जार को ऐसी जगह रखें जहाँ उसे कोई हिलाए नहीं। अगले कुछ दिनों तक धैर्य रखें और रोज़ उसका निरीक्षण करें।

## क्या होगा?

लगभग 3 से 7 दिनों के भीतर धागे पर छोटे-छोटे सफेद, चमकदार नमक के क्रिस्टल दिखाई देने लगेंगे। समय के साथ ये क्रिस्टल और बड़े होते जाएँगे। यदि घोल को अधिक दिनों तक बिना हिलाए रखा जाए, तो क्रिस्टल का आकार और स्पष्ट हो सकता है।

## ऐसा क्यों होता है?

गर्म पानी में ठंडे पानी की तुलना में अधिक नमक घुल सकता है। जैसे-जैसे पानी ठंडा होता है और धीरे-धीरे वाष्पित होता है, उसमें घुला अतिरिक्त नमक बाहर आने लगता है। धागा नमक के कणों को चिपकने के लिए एक आधार प्रदान करता है। धीरे-धीरे ये कण एक नियमित संरचना बनाकर क्रिस्टल का रूप ले लेते हैं।

## प्रयोग के दौरान सावधानियाँ

- पानी बहुत गर्म हो, लेकिन उबलता हुआ न हो।
- प्रयोग के दौरान जार को बार-बार न हिलाएँ।
- साफ़ जार और साफ़ धागे का उपयोग करें।
- घोल को पीने या चखने की कोशिश न करें।
- छोटे बच्चे यह प्रयोग किसी बड़े की देखरेख में करें।

## फिंगर प्रिंट, हर इंसान की अलग पहचान

क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि हमारी उँगलियों पर बनी छोटी-छोटी घुमावदार रेखाएँ हर व्यक्ति में अलग होती हैं? दुनिया में अरबों लोग हैं, लेकिन आज तक दो अलग-अलग व्यक्तियों के उँगलियों के निशान बिल्कुल समान नहीं पाए गए हैं। यही कारण है कि फिंगरप्रिंट को किसी व्यक्ति की सबसे विश्वसनीय पहचान माना जाता है। पुलिस जाँच से लेकर स्मार्टफोन अनलॉक करने तक, उँगलियों के निशान आधुनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन आखिर ऐसा क्यों होता है? आइए इसका वैज्ञानिक रहस्य जानते हैं।

उँगलियों के निशान कैसे बनते हैं? उँगलियों के निशान गर्भ में ही बनने शुरू हो जाते हैं। जब शिशु लगभग 10 से 16 सप्ताह का होता है, तब उसकी उँगलियों की त्वचा पर महीन उभरी हुई रेखाएँ विकसित होने लगती हैं। इन रेखाओं का निर्माण केवल जीन से ही नहीं होता, बल्कि गर्भाशय के भीतर का दबाव, एम्नियोटिक द्रव की स्थिति, उँगलियों की गति और अन्य सूक्ष्म परिस्थितियाँ भी इन्हें प्रभावित करती हैं। इसलिए हर व्यक्ति के फिंगरप्रिंट अनोखे बनते हैं।

***क्या जुड़वाँ बच्चों के फिंगरप्रिंट भी अलग होते हैं?***

यह जानकर आश्चर्य होगा कि एक जैसे दिखने वाले जुड़वाँ का डीएनए लगभग समान होता है, फिर भी उनके उँगलियों के निशान अलग-अलग होते हैं। इसका कारण यह है कि गर्भ में विकास के दौरान बनने वाली सूक्ष्म परिस्थितियाँ प्रत्येक भ्रूण के लिए पूरी तरह एक जैसी नहीं होतीं।

# खाना लंबे समय तक ताज़ा कैसे रहता है? जानिए फूड प्रिजर्वेटिव का विज्ञान

आज के समय में पैकेटबंद दूध, ब्रेड, बिस्कुट, सॉस, जूस और कई अन्य खाद्य पदार्थ महीनों तक खराब नहीं होते। क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा कैसे संभव होता है? इसका उत्तर फूड प्रिजर्वेटिव में छिपा है। ये भोजन को लंबे समय तक सुरक्षित रखने, बर्बादी कम करने और दूर-दराज़ तक पहुंचाने में मदद करते हैं। सही मात्रा में उपयोग किए जाने पर ये उपयोगी हैं, लेकिन स्वस्थ जीवनशैली के लिए ताज़ा और घर का बना भोजन हमेशा सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है।

## फूड प्रिजर्वेटिव क्या होते हैं?

फूड प्रिजर्वेटिव ऐसे प्राकृतिक या कृत्रिम रासायनिक पदार्थ हैं, जिन्हें खाद्य पदार्थों में बहुत कम मात्रा में मिलाया जाता है। इनका मुख्य कार्य बैक्टीरिया, फफूंद (फंगस) और यीस्ट जैसे सूक्ष्मजीवों की वृद्धि को रोकना तथा भोजन को जल्दी खराब होने से बचाना होता है। इससे खाद्य पदार्थों की शेल्फलाइफ बढ़ जाती है।

## इनकी आवश्यकता क्यों पड़ती है?

भोजन में नमी, हवा और तापमान के कारण सूक्ष्मजीव तेजी से पनपने लगते हैं, जिससे भोजन खराब हो जाता है। फूड प्रिजर्वेटिव इन सूक्ष्मजीवों की वृद्धि को नियंत्रित करते हैं और भोजन का स्वाद, रंग तथा गुणवत्ता लंबे समय तक बनाए रखते हैं। इससे खाद्य पदार्थों का परिवहन और भंडारण भी आसान हो जाता है।

## फूड प्रिजर्वेटिव के प्रकार

फूड प्रिजर्वेटिव दो प्रकार के होते हैं। प्राकृतिक प्रिजर्वेटिव में नमक, चीनी, सिरका, नींबू का रस और मसाले शामिल हैं। इनका उपयोग सदियों से अचार, जैम और मुरब्बा बनाने में किया जाता रहा है। वहीं कृत्रिम प्रिजर्वेटिव जैसे सोडियम बेंजोएट, पोटैशियम सोर्बेट और सल्फर डाइऑक्साइड का उपयोग पैकेज्ड खाद्य पदार्थों में नियंत्रित मात्रा में किया जाता है।

## क्या ये स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित हैं?

मानक मात्रा में उपयोग किए गए फूड प्रिजर्वेटिव सामान्यतः सुरक्षित माने जाते हैं। भारत में खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण इनके उपयोग की मात्रा तय करता है। हालांकि, अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं माना जाता। इसलिए ताज़े और संतुलित भोजन को प्राथमिकता देना बेहतर होता है।

## सामान्य विज्ञान रोचक तथ्य

- अरस्तू को जीव विज्ञान का जनक माना जाता है।
- कोशिका जीवन की सबसे छोटी संरचनात्मक एवं क्रियात्मक इकाई है।
- कोशिका की खोज रॉबर्ट हुक ने 1665 में की थी।
- जीवित कोशिका का प्रथम अध्ययन एंटनी वॉन ल्यूवेनहॉक ने किया।
- डीएनए को आनुवंशिक जानकारी का वाहक माना जाता है।
- मानव शरीर में 46 गुणसूत्र होते हैं, अर्थात 23 जोड़ी गुणसूत्र।
- रक्त का लाल रंग हीमोग्लोबिन के कारण होता है।
- लाल रक्त कणिकाएँ ऑक्सीजन का परिवहन करती हैं।
- सफेद रक्त कणिकाएँ मानव शरीर में रोगों से रक्षा करती हैं।
- स्वस्थ वयस्क का हृदय प्रतिदिन लगभग एक लाख बार धड़कता है।

फुटबॉल विश्वकप: एमबाप्पे विश्वकप के नॉकआउट मुकाबलों में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने

# एमबाप्पे के डबल गोल 3-0 से जीता फ्रांस

एमबाप्पे ने 45वें और 74वें मिनट में गोल दागे

### एमबाप्पे नॉकआउट के शीर्ष गोल स्कोरर

एमबाप्पे ने 45वें और 74वें मिनट में गोल किए। उन्होंने इस वर्ल्ड कप में तीसरी बार डबल गोल किए हैं। टूर्नामेंट में उनके छह गोल हो गए हैं। उन्होंने इस एडिशन के टॉप गोल स्कोरर की लिस्ट मे अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी की बराबरी कर ली है। एमबाप्पे वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबलों में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उनके 10 गोल हो गए हैं। उन्होंने ब्राजील के दिग्गज लियोनिडास और रोनाल्डो के आठ-आठ गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। एमबाप्पे ने वर्ल्ड कप करियर में 18वां गोल किया है। वे मेसी (19 गोल) के वर्ल्ड रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे हैं।

एजेंसी, न्यूयॉर्क

पिछली बार की फाइनलिस्ट फ्रांस ने बुधवार के पहले मैच में स्वीडन को 3-0 से हराकर फुटबॉल वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। साथ ही सह-मेजबान मैक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराकर 40 साल बाद नॉकआउट राउंड का मैच जीता है। इससे पहले मंगलवार के आखिरी मैच में नॉर्वे ने आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराया। उसने पहली बार प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने दो और ब्रैडली बारकोला ने एक गोल किया। डलास स्टेडियम में नॉर्वे के लिए एंटोनियो नुसा और एरलिंग हालैंड ने गोल किए। आइवरी कोस्ट से अमाद डियालो ने एकमात्र गोल किया। मैक्सिको सिटी स्टेडियम में मैक्सिको के जूलियन क्विन्योनेस ने 22वें और राउल जिमेनेज ने 31वें मिनट में गोल किए। इंजरी टाइम के 5वें मिनट में पिएरो हिनकापिए को रेड कार्ड मिला। अब फ्रांस का सामना पैराग्वे से 5 जुलाई को होगा। जबकि, 6 जुलाई को नॉर्वे का मुकाबला पांच बार की चैंपियन ब्राजील से होगा। मैक्सिको 6 जुलाई को इंग्लैंड और कांगो डीआर के विजेता से खेलेगी।

### ओलिसे ने 2 गोल असिस्ट किए

फ्रांस ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। टीम ने स्वीडन पर 25-7 से शॉट लगाए, जिनमें पहले हाफ में 15-3 की बढ़त रही। पहले एमबाप्पे और फिर माइकल ओलिसे की साइकिल किक पोस्ट से टकराई। इसके बाद एमबाप्पे ने ओलिसे के प्रयास पर मिले मौके को गोल में बदला। 53वें मिनट में गुस्ताफ लागरबिएल्के से गेंद छिनने के बाद ऑरेलियन चुआमेनी ने ओलिसे को पास दिया। ओलिसे ने शानदार मूव बनाते हुए बारकोला को गेंद दी और उन्होंने गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। तीसरा गोल भी ओलिसे और बारकोला की मदद से एमबाप्पे ने किया।

### मां के अंतिम संस्कार के बाद टीम से जुड़े कोच

फ्रांस के कोच दिदिए देशां अपनी मां के अंतिम संस्कार के बाद टीम से जुड़े। मैच के अंत में जब एमबाप्पे को बदला गया तो देशां ने झुककर उनका अभिवादन किया। फ्रांस अब तक टूर्नामेंट में 13 गोल कर चुका है और सिर्फ दो गोल खाए हैं। माइकल ओलिसे पांच गोल में असिस्ट दे चुके हैं।

गोल दागते एमबाप्पे

## नॉर्वे ने वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीता

नॉर्वे ने वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीता। एरलिंग हालैंड ने निर्णायक गोल 86वें मिनट में किया। पैट्रिक बर्ग ने पेनाल्टी एरिया में तीन डिफेंडरों को अपनी ओर खींचने के बाद हालैंड को पास दिया और उन्होंने इस टूर्नामेंट में 5वां गोल दाग दिया। नॉर्वे के लिए पहला गोल 39वें मिनट में एंटोनियो नुसा ने किया। उन्होंने पेनाल्टी एरिया के बाएं हिस्से से शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर गेंद जाल में पहुंचाई। यह उनका पहला वर्ल्ड कप गोल और नॉर्वे के लिए 28 मैचों में 9वां इंटरनेशनल गोल था।

### अमाद ने बराबरी का गोल दागा

आइवरी कोस्ट ने 74वें मिनट में बराबरी की। निकोलस पेपे के साथ वन-टू खेलने के बाद अमाद डियालो ने बाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इससे पहले डियालो ने दूसरे हाफ में टॉरब्योर्न हेगेन के शॉट को भी डिफ्लेक्ट कर अपनी टीम को बचाया था। हालैंड के गोल के बाद आइवरी कोस्ट ने बराबरी की पूरी कोशिश की। स्टॉपेज टाइम के छठे मिनट में डियालो की सीधी फ्री-किक पर गोलकीपर ऑरजान नीलांड ने शानदार बचाव किया। यह मैच में उनका चौथा और सबसे अहम सेव रहा।

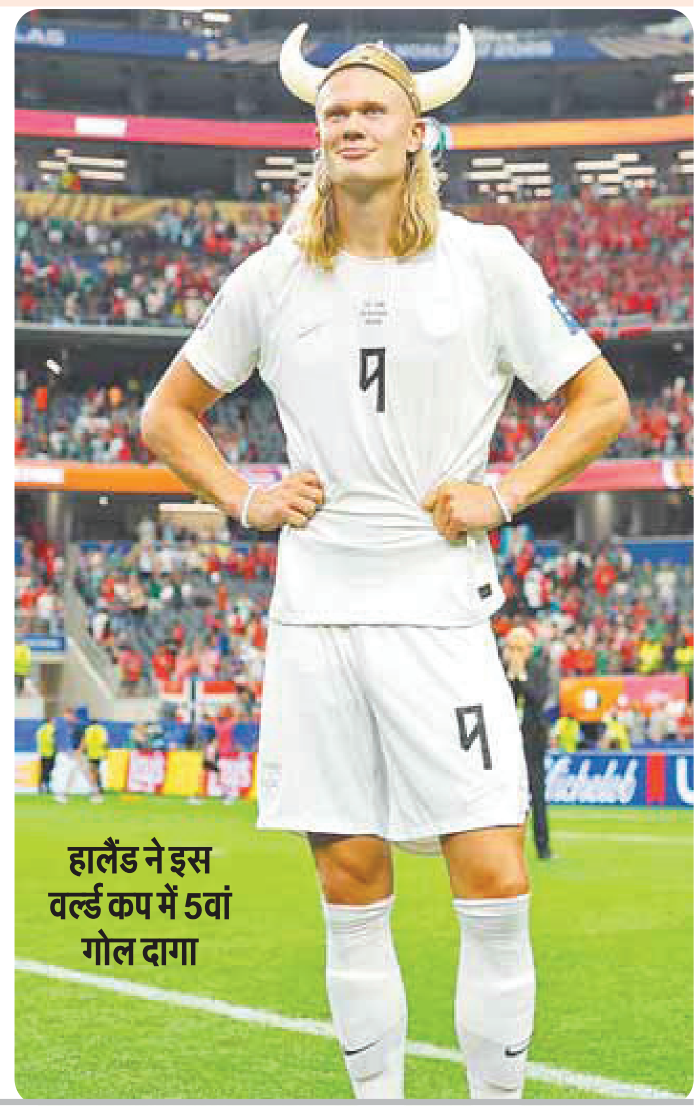

हालैंड ने इस वर्ल्ड कप में 5वां गोल दागा

## मेक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराकर तोड़ा 40 साल का सूखा, राउंड ऑफ 16 में बनाई जगह

**एजटेका।** मेजबान मेक्सिको ने एजटेका स्टेडियम में फीफा विश्व कप के राउंड ऑफ-32 मुकाबले में इक्वाडोर को 2-0 से हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। मेक्सिको सिटी स्टेडियम में खेले गए नॉकआउट मैच में जीत हासिल कर मेक्सिको ने 40 साल का सूखा खत्म किया। टीम ने पहले हाफ में ही दोनों गोल दागकर जीत की मजबूत नींव रखी थी। जूलियन क्विनोनेस ने 22वें मिनट में गोल किया था, जबकि राउल जिमेनेज ने 31वें मिनट में गोल दागकर टीम को 2-0 की बढ़त दिलाई। अब मेक्सिको का सामना राउंड ऑफ 16 में इंग्लैंड या डीआर कांगो से रविवार को होगा। मेक्सिको ने आखिरकार 40 साल से चला आ रहा फीफा विश्व कप नॉकआउट जीत का सूखा खत्म किया। पहली बार 1986 में टीम ने विश्व कप के नॉकआउट मैच में जीत हासिल की थी, जब उन्होंने बुल्गारिया को 2-0 से हराकर नॉकआउट मैच जीता था। संयोग से वह मुकाबला भी मेक्सिको सिटी स्टेडियम में ही खेला गया था और मौजूदा कोच जावियर एगिरे उस समय टीम के मिडफील्डर थे। 1994,2002, 2026,2010,2014, 2018 और 2022 विश्व कप में मेक्सिको हर बार नॉकआउट चरण से बाहर हो गया था।

### दूसरे हाफ में इक्वाडोर ने वापसी की कोशिश की

दूसरे हाफ में इक्वाडोर के पास गेंद ज्यादा रही, लेकिन अनुशासित मेक्सिकन डिफेंस के सामने वह कोई बड़ा मौका नहीं बना सका। कोच अगुइरे की बैक लाइन पूरे समय संगठित रही और हर कोशिश को नाकाम किया। इसके साथ ही 2026 वर्ल्ड कप में मेक्सिको का बिना गोल खाए रहने का सिलसिला चार मैचों तक पहुंच गया। इक्वाडोर के लिए काली रात रही। इंजरी टाइम में इक्वाडोर की मुश्किलें तब ज्यादा बढ़ीं, जब डिफेंडर पिएरो हिंकापिए को विरोधी खिलाड़ी से बहस के दौरान मुंह ढकने के कारण रेड कार्ड दिखाया गया, जिसके बाद इक्वाडोर को आखिरी मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

## विंबलडन : करीब चार साल बाद सिंगल्स में लौटीं सेरेना विलियम्स पहले ही दौर में हारीं

एजेंसी, लंदन

दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का लगभग चार साल बाद सिंगल्स कोर्ट पर किया गया बहुप्रतीक्षित वापसी मुकाबला हार के साथ समाप्त हुआ। सात बार की विंबलडन चैंपियन सेरेना को ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट ने मंगलवार को पहले दौर में 6-3, 6-7 (6), 6-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। 44 वर्षीय सेरेना ने 2022 यूएस ओपन के बाद पहली बार कोई सिंगल्स मुकाबला खेला। लंबे

समय तक कोर्ट से दूर रहने के कारण उनकी कोई मौजूदा सिंगल्स रैंकिंग नहीं थी और उन्हें विंबलडन में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला था।
हालांकि सेरेना ने अपने पुराने अंदाज में तेज सर्विस और दमदार ग्राउंडस्ट्रोक्स का प्रदर्शन किया, लेकिन दुनिया की 87वें नंबर की खिलाड़ी माया जॉइंट ने निर्णायक मौकों पर बेहतर खेल दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद जारी बयान में सेरेना ने कहा,"विंबलडन में फिर से लौटना मेरे लिए बेहद खास रहा।

### विंबलडन से स्टेन वावरिंका की भावुक विदाई

#### पहले दौर में बेरेटिनी से हारकर हुए बाहर

**लंदन।** तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका का विंबलडन सफर मंगलवार को पहले ही दौर में समाप्त हो गया। 41 वर्षीय स्विस दिग्गज को इटली के मैटियो बेरेटिनी ने रोमांचक मुकाबले में 6-7 (7), 7-6 (16), 7-6 (7), 7-6 (5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। करीब चार घंटे 20 मिनट तक चले इस मुकाबले के बाद दर्शकों ने वावरिंका को खड़े होकर तालियां बजाकर विदाई दी। माना जा रहा है कि यह उनके करियर का आखिरी विंबलडन मुकाबला था।

वावरिंका ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह 2026 सीजन के अंत में संन्यास ले लेंगे। उन्हें इस बार विंबलडन में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला था।
स्विस स्टार ने 2014 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर अपने ग्रैंड स्लैम सफर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन का खिताब भी अपने नाम किया। इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में उन्होंने तीसरे दौर तक का सफर तय किया था, जबकि फ्रेंच ओपन में पहले दौर में बाहर हो गए थे। मैच के बाद भावुक वावरिंका ने कहा,"जिस खेल से आप इतना प्यार करते हों, उसे अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता।

### वेस्टइंडीज वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित, फिशर को पहली बार मौका

**वेलिंगटन।** न्यूजीलैंड क्रिकेट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए बुधवार को 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज मैट फिशर को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है, जबकि हालिया इंग्लैंड टेस्ट दौरे से बाहर रहे जैकब डफी की टीम में वापसी हुई है। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का आगाज 11 जुलाई से गुयाना में होगा। पहले तीन मुकाबले 11, 13 और 16 जुलाई को खेले जाएंगे, जबकि अंतिम दो मैच 19 और 21 जुलाई को बारबाडोस में होंगे।

#### न्यूजीलैंड की वनडे टीम

मिचेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मिच हे, निक केली, टॉम लैथम (विकेटकीपर), जेडन लेनॉक्स, डैरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ और विल यंग।

टॉप पर आने वाले चौथे भारतीय बने, अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर खिसके

## ईशान किशन नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन आईसीसी की ताजा मेंस टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने करीब 12 महीने से टॉप पर काबिज अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ा है। ईशान टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 बनने वाले भारत के चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। वहीं, पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 848 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

### ईशान को विश्व कप के प्रदर्शन का मिला फायदा

ईशान किशन ने इस साल की शुरुआत में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसका फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला है। ईशान ने वर्ल्ड कप के दौरान लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए थे। इसमें कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया मैच भी शामिल है, जिसमें वे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। ताजा रैंकिंग में ईशान के 876 रेटिंग पॉइंट्स हैं।

### ट्रेविस हेड नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज बने

मेंस की टेस्ट बैटिंग रैंकिंग में बड़ा बदलाव हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड छलांग लगाकर पहले स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि जो रूट फिसलकर तीसरे स्थान पर आ गए हैं। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को एक स्थान का फायदा हुआ है और वे छठे नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल एक स्थान नीचे गिरकर नौवें नंबर पर आ गए हैं।

### गेंदबाजों में बुमराह टॉप पर

टेस्ट गेंदबाजों की लिस्ट में भारत के जसप्रीत बुमराह पहले स्थान पर बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी 861 अंकों के साथ दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क 838 अंकों के साथ तीसरे और पैट कमिंस 832 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वहीं, साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन 825 रेटिंग अंकों के साथ टॉप-5 में पांचवें स्थान पर मौजूद हैं।

### अश्विन यूरोप लीग में कप्तान और मेंटर बने

**नई दिल्ली।** पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन यूरोपियन टी-20 प्रीमियर लीग के पहले सीजन में डबलिन गार्डियंस की ओर से खेलेंगे। 39 साल के अश्विन टीम के कप्तान और मेंटर दोनों की भूमिका निभाएंगे। डबलिन फ्रेंचाइजी के मालिक पूर्व भारतीय कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ हैं। टूर्नामेंट 26 अगस्त से 20 सितंबर तक आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड में खेला जाएगा। यूरोपियन टी-20 प्रीमियर लीग यूरोप की पहली आईसीसी मान्यता प्राप्त मल्टी-कंट्री फ्रेंचाइजी टी-20 लीग है। टूर्नामेंट में छह टीमें हिस्सा लेंगी- डबलिन गार्डियंस, एम्स्टर्डम फ्लेम्स, रॉटरडैम डॉकर्स, बेलफास्ट आयरिश वुल्व्स, एडिनबर्ग कैसल रॉकर्स, ग्लासगो कॉस्मिक्स।

## टेस्ट टीम का कप्तान बनना बड़े सम्मान की बात होगी : ब्रूक

एजेंसी, चेस्टर-ली-स्ट्रीट

हैरी ब्रूक ने कहा है कि इंग्लैंड की पुरुष टेस्ट टीम का नया कप्तान बनना उनके लिए बड़े सम्मान की बात होगी। यह बयान उन्होंने उस समय दिया, जब एक दिन पहले ही संन्यास लेने वाले बेन स्टोक्स ने उन्हें यह भूमिका संभालने के लिए अपना '100 प्रतिशत समर्थन' दिया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में सीरीज़ हार के दौरान स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा ने इंग्लैंड क्रिकेट में एक बड़ा खालीपन पैदा कर दिया है। पिछली एशेज से ही टेस्ट टीम के उप-कप्तान रहे ब्रूक को स्टोक्स ने शनिवार शाम अपने फैसले की जानकारी दी थी। जो रूट को भी उसी समय इसकी जानकारी दी गई। इसके बाद रविवार सुबह चौथे दिन का खेल शुरू होने से पहले स्टोक्स ने ड्रेसिंग रूम में पूरी टीम को अपने निर्णय से अवगत कराया। 27 वर्षीय ब्रूक को न्यूजीलैंड सीरीज के दूसरे टेस्ट में कप्तानी का मौका नहीं मिला था, जबकि स्टोक्स पहले टेस्ट के बाद एक विवादित नाइट आउट के चलते बाहर थे।

### ग्रामीण विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे

# पंचायतों को बनाएं आत्मनिर्भर, रोजगारोन्मुखी : पटेल

भोपाल (नगर संवाददाता)

**भोपाल,निप्र।** ग्रामीण विकास योजनाओं का मुख्य उद्देश्य सिर्फ आधारभूत सुविधाएं देना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर, सशक्त और रोजगारोन्मुखी बनाना होगा।

यह बात पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने विकास भवन में ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कही। मंत्री पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायतों का श्रेणीकरण उनके वास्तविक डाटा और भौगोलिक परिस्थितियों के आधार पर किया जाए तथा इस प्रक्रिया में पंचायतों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य केवल आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि पंचायतों को आत्मनिर्भर, सशक्त और रोजगारोन्मुखी बनाना होना चाहिए।

मंत्री पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान, सामुदायिक शौचालयों की स्थिति तथा वीवीजी रामजी योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कहा कि आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए जल संरक्षण एवं भू-जल पुनर्भरण से जुड़े कार्यों को

प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत ऐसे कार्यों का चयन किया जाए, जिनसे रिचार्जिंग सिस्टम को मजबूती मिले और जल संरक्षण के स्थायी परिणाम प्राप्त हों। सामुदायिक भवनों के रखरखाव एवं स्वच्छता के लिए उपलब्ध राशि का उपयोग उसी परिसर में किया जाए तथा आवश्यकता अनुसार उपयुक्त स्थलों का चयन किया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान मंत्री पटेल ने अधूरे आवासों की स्थिति पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिन हितग्राहियों का निधन हो चुका है और उनके आवास अधूरे हैं, ऐसे मामलों में नियमानुसार पंचायतें भवनों को पूर्ण कर उन्हें आंगनवाड़ी, सामुदायिक भवन अथवा अन्य सार्वजनिक उपयोग के लिए विकसित करने की कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने भूमि संबंधी समस्याओं के कारण आवास निर्माण से वंचित पात्र परिवारों के प्रकरणों का भी प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

### 1.44 लाख से अधिक आवास पूर्ण

बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के अंतर्गत प्रदेश के 24 जिलों में भारत सरकार द्वारा प्राप्त 1.89 लाख आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध शत-प्रतिशत स्वीकृतियां प्रदान की जा चुकी हैं तथा 1.44 लाख से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं। आवास पूर्णता के मामले में मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना में अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाते हुए बहु-स्तरीय स्वीकृति व्यवस्था के स्थान पर सहज प्रणाली विकसित की गई है, जिससे पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभ मिल सके।

### स्थानीय संसाधनों की संरक्षक है पंचायत

मंत्री पटेल ने कहा कि पंचायत केवल प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि पूरे भूगोल और स्थानीय संसाधनों की संरक्षक है। उन्होंने पंचायत क्षेत्र के वृक्षों की जियो-टैगिंग कर उनकी जिम्मेदारी तय करने तथा पंचायत का डिजिटल नक्शा नागरिक पोर्टल पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंचायतों में बिजली एवं पानी के बिलों का डिजिटल जनरेशन तथा भुगतान व्यवस्था विकसित होने से पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों बढ़ेंगी। बैठक में पंचायत दर्पण पोर्टल के माध्यम से नागरिक सेवाओं के विस्तार की भी समीक्षा की गई।

## बुकिंग के लिए खुली एचएफए की साइट 20 मिनट में बंद, जांच शुरू

भोपाल (नगर संवाददाता)

अरहेड़ी हाउसिंग ऑल प्रोजेक्ट के 56 आवास 20 मिनट में बुक होने के बाद नगर निगम ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि सुबह 11 बजे से बुकिंग शुरू हुई और 20 मिनट बाद ही एचएफए की साइट बंद हो गई। जबकि दर्जनों लोग ऑनलाइन आवेदन करने से ही चूक गए। ऐसे में शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि साइट हैक कर करीबी लोगों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया है। हालांकि निगम का दावा है कि साइट करीब एक घंटे तक खुली रही। इसके बाद भी लोग आवेदन करने से रह गए हैं तो इसके लिए एमआईसी से मंजूरी ली जाएगी। दरअसल पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर अरहेड़ी प्रोजेक्ट के नॉन स्लम ईडब्ल्यूएस आवासों का आवंटन होना था। इसके लिए एक जुलाई को 11 बजे हाउसिंग फॉर ऑल की साइट खुली। चार दिन पहले जारी विज्ञापन में 11 बजे से बुकिंग करने और ऑनलाइन आवेदन जमा करने से पहले 75 हजार रुपए एमएमडी के रूप में जमा करने को कहा गया था। ज्यादातर लोगों ने बैंक पहुंचकर 75 हजार जमा किए, लेकिन जब ऑनलाइन फार्म जमा करने पहुंचे तो 20

**अरहेड़ी हाउसिंग ऑल प्रोजेक्ट के 56 आवास बुक**

## सौर टैरिफ के मामले में मप्र का ट्रैक रिकॉर्ड सबसे बेहतर :सीएम

### मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित प्री-बिड मीटिंग को वर्चुअली किया संबोधित

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि मप्र सरकार ने 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराने की महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत कर दी है। मप्र स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है। उन्होंने बताया कि दावोस में की गई घोषणा के अनुरूप प्रदेश 24 घंटे हरित ऊर्जा देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री बुधवार को 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए मप्र भवन नई दिल्ली में आयोजित प्री-बिड मीटिंग को सीएम हाउस से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना ने देश में सबसे कम सौर टैरिफ स्थापित कर भारत को वैश्विक पहचान दिलाई। शाजापुर-नीमच सोलर पार्कों ने 2.14 रुपए प्रति यूनिट का प्रदेश में सबसे कम टैरिफ अर्जित किया। हाल में मुरैना की 4 घंटे की स्टोरेज प्लस परियोजना के लिए 2.70 रुपए प्रति यूनिट पर पीपीए हुआ, यह देश की सबसे प्रतिस्पर्धी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में से एक है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को पारदर्शी नीतियां, त्वरित निर्णय और उत्कृष्ट अधोसंरचना उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

### ऊर्जा में आत्मनिर्भरता है हमारा लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल परियोजनाएं स्थापित करना नहीं, बल्कि हरित ऊर्जा, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाना राज्य सरकार का उद्देश्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास जताया कि रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना और सभी हितधारकों के संयुक्त प्रयास से 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा परियोजना भारत की ऊर्जा सुरक्षा और हरित विकास की दिशा में ऐतिहासिक सिद्ध होगी। नई दिल्ली की प्री-बिड मीटिंग में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव और टाटा पॉवर, रिलायंस एनर्जी, टोरंट पॉवर, जिंदल रिन्युएबल, एनटीपीसी, अडानी ग्रीन्स, हिन्दुस्तान पॉवर, महिंद्रा सिस्टम आदि के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## जनहित के मुद्दों पर संभाग और जिलों में प्रेसवार्ता करेगी कांग्रेस

भोपाल (नगर संवाददाता)

मप्र कांग्रेस प्रदेश के युवाओं, किसानों एवं आमजन से जुड़े महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों पर संभागीय एवं जिला मुख्यालयों पर पत्रकार वार्ताओं का आयोजन करेगी। इन पत्रकार वार्ताओं में सीबीएसई परीक्षा में हुई अनियमितताएं एवं नीट पेपर लीक, किसानों की समस्याएं, अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्राप्त चढ़ावे में कथित अनियमितताएं, उज्जैन महाकाल लोक निर्माण कार्यों में कथित भ्रष्टाचार, उज्जैन के कथित भूमि घोटाला प्रकरण सहित अन्य जनसरोकार के विषयों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

कार्यक्रम के अनुसार रीवा में कमलेश्वर पटेल 1 जुलाई को, ग्वालियर में अशोक सिंह व नर्मदापुरम में पीसी शर्मा 2 जुलाई को, सागर में एनपी प्रजापति, उज्जैन में सज्जन सिंह वर्मा 3 जुलाई को, इंदौर में शोभा ओझा 4 जुलाई को, भोपाल में मीनाक्षी नटराजन 6 जुलाई को और जबलपुर में विवेक तन्खा 11 जुलाई को पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे। इसके अतिरिक्त प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार 3 जुलाई को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं जिला प्रभारी की संयुक्त उपस्थिति में इन्हीं विषयों को लेकर पत्रकार वार्ताओं का आयोजन किया जाएगा।

## दिग्विजय को 'स्लीपर सेल' कहना कांग्रेस की अंदरूनी कलह का सबूत: विश्वास सारंग

### प्रदेश कार्यालय में बोले मंत्री- गुटबाजी अब पार्टी कार्यालय से निकलकर सड़कों तक पहुंची, कांग्रेस जनहित के मुद्दों से भटकी

भोपाल (नगर संवाददाता)

कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने कांग्रेस की आंतरिक स्थिति को लेकर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को द्वस्लीपर सेलद्व कहना पार्टी के भीतर गहरी गुटबाजी और अविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की अंदरूनी कलह अब पार्टी कार्यालयों तक सीमित नहीं रही, बल्कि सार्वजनिक मंचों और सड़कों तक दिखाई देने लगी है। बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए सारंग ने कहा कि कांग्रेस वर्षों से बिना तथ्यों के झूठे आरोप लगाकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास करती रही है। जब भी उसके पास जनहित के मुद्दों पर बोलने के लिए कुछ नहीं होता, तब वह दुष्प्रचार और आरोप-प्रत्यारोप का सहारा लेती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता ही अपनी पार्टी की वास्तविक स्थिति उजागर कर रहे हैं। यदि पार्टी के वरिष्ठ नेता ही दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेता के लिए द्वस्लीपर सेलद्व जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो यह स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस में नेतृत्व संकट, आपसी खींचतान और गहरा अविश्वास व्याप्त है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस को दूसरों पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है। सारंग ने कहा कि कांग्रेस में वर्चस्व की लड़ाई अब खुले मंचों पर सामने आने लगी है। पार्टी के अलग-अलग गुट सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि संगठनात्मक रूप से कांग्रेस बिखर चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाते हुए जनहित के मुद्दों पर काम करना चाहिए, लेकिन वह अपने आंतरिक विवादों में उलझी हुई है।

### भाजपा कार्यालय में मंत्रियों ने सुनीं समस्याएं

मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग और मंत्री लखन पटेल ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान प्रदेशभर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद किया। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया।

## को मिलेगा पांच प्रतिशत महंगाई भत्ता

### एक जुलाई 2025 से लागू होगा

### ■ मृत हो चुके कर्मियों के परिजनों को भी मिलेगा लाभ

भोपाल (नगर संवाददाता)

नगर निगम भोपाल ने अपने हजारों अधिकारियों और कर्मचारियों को पांच प्रतिशत महंगाई भत्ते देने का निर्णय लिया है। ये भत्ता 1 जुलाई 2025 से लागू माना गया है। इस निर्णय के बाद अब कर्मचारियों को 252 प्रतिशत के स्थान पर 257 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता मिलेगा। अधिकारियों के अनुसार निगम प्रशासन ने महंगाई की एरियर राशि का लाभ अपने उन सेवानिवृत्त कर्मचारियों, अधिकारियों को एरियर के रूप में देने का निर्णय लिया है, जिनका निधन हो चुका है। एरियर राशि उनके परिजनों को दिया जाएगा। आयुक्त ने इस सबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। आदेश में कहा गया कि भोपाल नगर निगम के सातवें वेतनमान प्राप्त कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में पांच प्रतिशत बढ़ोतरी कर दिए हैं।

### आदेश में ये कहा

- महंगाई भत्ते के साथ कर्मचारियों को एरियर का भी लाभ मिलेगा।
- जो कर्मचारी एक जुलाई 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच सेवानिवृत्त हो चुके हैं या जिनका निधन हो चुका है, उनके नामांकित परिजनों को एरियर की पूरी राशि का भुगतान होगा।
- कर्मचारियों, अधिकारियों को एरियर की पूरी राशि एकमुश्त दी जाएगी। दिवंगत कर्मचारियों के नामांकित आश्रितों एरियर का एकमुश्त भुगतान किया जाएगा।

### 16 हजार कर्मियों को मिलेगा फायदा

भोपाल नगर निगम में नियमित, संविदा, दैनिक वेतनभोगी और आउटसोर्स कर्मचारियों को मिलाकर कुल लगभग 16,000 से 18,000 कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं, जो शहर में 85 वार्डों और 19 प्रशासनिक क्षेत्रों के विकास और रखरखाव का कार्य करते हैं। इनमें करीबन चार हजार कर्मचारी भी शामिल है, जो सफाई, ठोस कचरा प्रबंधन और स्वच्छता कार्यों में लगे हुए हैं।

## घरेलू कलह के दो मामले थाने पहुंचे

**भोपाल।** बीते चौबीस घंटों के दौरान घरेलू कलह से जुड़े दो मामले मिसरोद और पिपलानी थाने पहुंचे। एक मामले की पीड़िता ने प्रेम विवाह किया है। जबकि दूसरे मामले का आरोपी होटल का मालिक हैं।

मिसरोद थाना पुलिस के अनुसार 29 वर्षीय महिला ने जून, 2025 में प्रेम विवाह किया है। उसका मायका रायसेन जिले के मंडीदीप में हैं। विवाह के बाद उसके ससुराल में सास-ससुर और प्रताड़ित करते है। दो दिन पहले रात दो बजे पति आया। वह पहले सोने को लेकर कलह करते हुए मारपीट करने लगा। जिस कारण नाक से खून निकलने लगा। इसी तरह पिपलानी पुलिस ने 45 वर्षीय महिला की शिकायत पर रायसेन के होटल मालिक के खिलाफ मारपीट का प्रकरण दर्ज किया है। मारपीट से पहले घर में लगा सीसीटीवी कैमरा तोड़ा। पुलिस के आने पर भी आरोपी ने पत्नी के साथ गाली गलौज करते हुए धमकी दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

### उत्तरप्रदेश मॉडल नहीं चला अब केरलम मॉडल से होगी राजधानी की पुलिसिंग, एक थाने के होंगे दो हिस्से

# अब कानून व्यवस्था और अपराध जांच की दी जाएगी अलग-अलग जिम्मेदारी

### प्रयोग के लिए मिसरोद थाने का किया चुनाव

### निगरानी व्यवस्था को ज्यादा बेहतर बनाने किया अभ्यास

### ■ तीन महीने बाद की जाएगी समीक्षा

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली के तहत थानों में अब केरलम राज्य की तर्ज पर एक जुलाई से व्यवस्था लागू कर दी गई है। अब एक थाने को दो भागों में बांटा गया है। इसका प्रयोग मिसरोद थाने से शुरू किया जा रहा है। पहले उत्तर प्रदेश पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली की तकनीक अपनाई गई थी। उसके बेहतर परिणाम नहीं मिलने पर इसे प्रभावी किया जा रहा है।

**पर्यवेक्षण छोड़कर सारे काम का बंटवारा-** मिसरोद थाने में मंगलवार विमल राय निरीक्षक होने आदेश हुए। वे विदिशा जिले से भोपाल आए हैं। इससे पहले थाने का प्रभारी रतन सिंह परिहार के पास था। दोनों एक ही बैच के राज्य पुलिस सेवा अधिकारी हैं। राय 25 दिन वरिष्ठ हैं। थाने को दो हिस्सों में बांटा गया है। इसके लिए नर्मदापुरम सड़क को आदर्श मानकर एक तरफ का हिस्सा विमल राय तो दूसरी तरफ का हिस्सा रतन सिंह परिहार को सौंपा गया है। यह आदेश फिलहाल मौखिक हुए हैं लेकिन दोनों निरीक्षकों को पुलिस उपायुक्त जोन-2 विकास शहवाल की तरफ से समझा दिया गया है। नई कार्य योजना में दोनों निरीक्षकों को छह-छह बीट बांटी जा रही है।

**यह सामने आई परेशानियां -** इससे तीन महीना पूर्व शहर में उत्तर प्रदेश राज्य का पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली को अपनाया गया था। जिसमें एक थाने में दो निरीक्षकों को पदस्थ किया गया। एक निरीक्षक के पास क्षेत्र की कानून-व्यवस्था तो दूसरे के पास विवेचना से संबंधित कार्य वितरित हुए थे।

### पुलिस महानिदेशक की पहल

माइक्रो बीट को लेकर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने जनवरी, 2025 में अध्ययन रिपोर्ट कराई थी। जिसके बाद इस व्यवस्था को लागू करके कुछ अपराधों की जांच के अधिकार सिपाही से लेकर एएसआई को सौंपने का निर्णय हुआ था। इसके लिए प्रदेश के टियर वन सिटी के एक-एक थाने को चिन्हित किया गया था। इसी रिपोर्ट के आधार पर अब इसे व्यापक बनाया जा रहा है।

### चार क्षेत्र के स्थान पर किए गए आठ

इन प्रयोगों को लेकर पुलिस आयुक्त संजय कुमार का लक्ष्य माइक्रो क्षेत्र प्रणाली को धरातल पर प्रभावी बनाना है। इसके लिए छह महीना पूर्व पुलिस मुख्यालय के आदेश पर प्रत्येक थानों में क्षेत्र व्यवस्था बदली गई थी। मिसरोद थाने में पूर्व में चार बीट थी। माइक्रो बीट प्रणाली के बाद यह संख्या 12 पर पहुंच गई है। माइक्रो बीट का निर्धारण चिन्हित क्षेत्र में होने वाले अपराध की दर पर तय हुए थे। उदाहरण के तौर पर मिसरोद के जाटखेड़ी में अपराध की दर बहुत ज्यादा है। इसलिए सर्वाधिक चार बीट बनाकर 20 कर्मचारी निगरानी के लिए तैनात किए गए हैं। जबकि उतने ही क्षेत्र के निखिल कॉलोनी में दो माइक्रो बीट बनी है।

### संभाग आयुक्त ने ली हवाई पट्टी पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक, कहा-

## विमानतल के आसपास बढ़ाएं पुलिस गश्त और लगाएं स्ट्रीट लाइट

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजा भोज विमानतल एवं आस-पास सुरक्षा, स्वच्छता एवं पर्यावरण का विशेष ध्यान रखा जाए। सुरक्षा संबंधी सभी कार्यों की गहन समीक्षा की जाए। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस गश्त को बढ़ाने के साथ - साथ फ्लाई ओवर के नीचे और अन्य स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगाई जाएं। इस तरह के निर्देश भोपाल संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने बुधवार को हवाई पट्टी पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक में दिए।

संभागायुक्त शर्मा ने बैठक में विमानपत्तन निर्देशक द्वारा पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से राजा भोपाल विमानतल की सुविधाओं और गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया गया। बैठक में एडीएम सुमित पांडेय, आलोक त्रिपाठी, विमानपत्तन निर्देशक एवं भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के सदस्य और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

**विमानतल पर सुचारू चलें स्वास्थ्य सेवाएं -** विमानतल पर स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से सभी आवश्यक सुविधाओं की जांच की जाए और जरूरत के अनुसार उन्हें उपलब्ध कराया जाए। बिना लाइसेंस के मांस-मछली की दुकानों के खिलाफ अभियान चलाया जाए और उन्हें बंद कराएं। मांस-मछली के खुले में अवैध विक्रय करने वालों पर नियमों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही दुकानों की सफाई और अन्य नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

**लेजर और उच्च तीव्रता वाली लाइट पर लगाएं प्रतिबंध -** संभागीय आयुक्त शर्मा ने कहा कि विमानतल के आस-पास और फ्लाइट अप्रोच एरिया के विवाह स्थलों में लेजर और उच्च तीव्रता वाली लाइट पर नियमानुसार प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए।

### निर्माण से पहले प्राधिकरण की अनुमति जरूरी

संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि विमानतल के पास स्थित शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्य के लिए भारतीय विमानन प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेना अनिवार्य होगा। बिना एनओसी के कोई भी निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जाए। भोपाल विमानतल जोनिंग मैप के अंदर निर्माण कार्य की एनओसी सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही जारी होने के पश्चात नगर निगम के भवन निर्माण सॉफ्टवेयर को एनओसी के बाद ही निर्माण कार्यों की अनुमति देने के निर्देश दिए।

## बड़ा तालाब मामले में दो इंजीनियरों को नोटिस

### ■ आयुक्त ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

भोपाल (नगर संवाददाता)

बड़ा तालाब के 50 मीटर दायरे के सीमांकन को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। निगम के दोनों इंजीनियर भवन अनुज्ञा शाखा के सहायक यंत्री प्रदीप कुमार जड़िया और झील संरक्षण प्रकोष्ठ के तत्कालीन सहायक यंत्री आदित्य खरे को नोटिस जारी किया है। दोनों पर आरोप है कि सीमांकन के बाद तैयार किए गए पंचनामे में रिकॉर्ड से अलग और गलत तथ्य होने के बावजूद कोई आपत्ति उठाए बगैर चुपचाप अपने हस्ताक्षर कर दिए। इसकी जानकारी मिलते ही नगर निगम

आयुक्त संस्कृति जैन ने उक्त दोनों इंजीनियरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

मिली जानकारी के अनुसार एनजीटी के आदेशों के पालन को लेकर आयुक्त जैन ने समीक्षा बैठक ली थी। इस दौरान आयुक्त को बताया गया कि चार जून की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई को संबंधित पक्ष से दोबारा सीमांकन की मांग करने पर टाल दिया गया था। 18 जून को राजस्व विभाग की टीम की मौजूदगी में फिर से सीमांकन किया, जिसमें नगर निगम की तरफ से ये दोनों सहायक यंत्री शामिल हुए थे। दोबारा सीमांकन के बाद जो पंचनामा तैयार हुआ, उसमें लिखे गए कई महत्वपूर्ण तथ्य झील संरक्षण प्रकोष्ठ के मूल रिकॉर्ड से बिल्कुल अलग थे। दोनों जिम्मेदार अधिकारियों ने मौके पर न तो कोई लिखित विरोध दर्ज कराया और न ही एनजीटी से जुड़े इस संवेदनशील मामले में नगर निगम का मजबूत पक्ष रखा। निगम प्रशासन ने अधिकारियों के इस रवैए को गंभीर लापरवाही माना है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
मुख्य कार्यकारी संपादक : **श्रीमती रश्मि अग्रवाल**, सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)